CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-261
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 26 दिसम्बर 2024

आज का विचार

'सही करने की हिम्मत उसी में आती है जो गलती करने से नहीं डरते है।'

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में खुलेंगे समृद्धि और खुशहाली के नये द्वार : प्रधानमंत्री मोदी

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य जहां नदियों को जोड़ने के अभियान की हुई शुरूआत

राहुल रैकवार । सिटी चीफ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले 1 वर्ष में मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। आज मध्यप्रदेश में हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत हुई है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के सपने को साकार करती हुई देश की पहली नदी जोड़ी परियोजना केन-बेतवा का आज यहाँ शिलान्यास हुआ है। इसके साथ ही देश के पहले फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट, ओंकारेश्वर का भी शिलान्यास हुआ है। इसके लिए मध्यप्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार और यहां की जनता को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत बुंदेलखंडी बोली में करते हुए कहा, वीरों की धरती ई बुंदेलखंड पे रहबे बारे सबई जनन खों हमाई तरफ से हाथ जोड़के राम-राम पौंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के विकास में अटल जी का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। वे सुशासन के प्रतीक थे। आज उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर उनकी स्मृति में मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सेवा सदन का निर्माण प्रारंभ हो रहा है, जिसकी पहली किश्त भी जारी की गई है। सुशासन हमारी सरकार की पहचान है। हमारे लिए जनहित, जनकल्याण और विकास सर्वोपरि है। हम जन सामान्य के लिए समर्पित हैं। आजादी के दीवानों ने देश के लिए अपना लहू बहाया था, हम उनके सपनों को पूरा करने के लिए पसीना बहाते हैं। अच्छी योजनाओं के साथ ही उन्हें लागू करना और उनका लाभ 100त्न लाभार्थी तक पहुंचाना सुशासन का पैमाना है।

बुंदेलखंड क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली के द्वार खुलेंगे

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली के द्वार खुलेंगे। बुंदेलखंड क्षेत्र में बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष किया है, परंतु पूर्ववर्ती सरकारों ने जल संकट का कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला। आजादी के सात दशक बाद भी राज्यों के बीच नदियों के जल के लेकर विवाद चलते रहे, परंतु उन्हें दूर करने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। जब अटल जी की सरकार बनी तो उन्होंने नदी जोड़ों के रूप में इसका स्थाई हल निकाला और उसका कार्य भी शुरू कर दिया गया, परन्तु 2004 के बाद वह बंद कर दिया गया। आज अटल जी का नदी जोड़ने का सपना मध्यप्रदेश की भूमि पर साकार होने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल शक्ति और जल संसाधन के विकास के लिए लिए बाबा साहेब अंबेडकर के विजन और किए गए प्रयासों की सराहना भी की।

मां नर्मदा के आशीर्वाद से गुजरात का भाग्य बदला

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि जल समस्या 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है। वही देश आगे बढ़ेगा जिसके पास पर्याप्त जल और उसका उचित प्रबंध होगा। गुजरात में सूखा पड़ता था परंतु मां नर्मदा के आशीर्वाद से गुजरात का भाग्य बदल गया। मध्यप्रदेश ने सूखाग्रस्त गुजरात को जलयुक्त बनाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मैंने बुंदेलखंड की बहनों और किसानों से जो वादा किया था, आज मैं 45 हजार करोड़ रूपये की सिंचाई परियोजना के साथ उसे पूरा करने आया हूं। आज यहां दौधन बांध का शिलान्यास हुआ है। इससे जो नहर निकलेगी वो लगभग 11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई करेगी।

जल सुरक्षा और जल संरक्षण के रूप में याद किया जाएगा यह दशक

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में यह दशक जल सुरक्षा और जल संरक्षण के दशक के रूप में याद किया जाएगा। देश में पिछले सात दशक में सिर्फ 3 करोड़ परिवारों के पास नल से जल पहुंचता था। हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में 12 करोड नए परिवारों तक नल से जल पहुंचाया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए देशभर में 2100 वॉटर क्वालिटी लैब बनाए गए हैं और 25 लाख महिलाओं को शिक्षित किया गया है। शुद्ध पेयजल बीमारी से बचाव भी करता है।

अधूरी सिंचाई परियोजनाओं को कराया पूरा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में 100 बड़ी सिंचाई परियोजनाएं अधूरी पड़ी थी, हमारी सरकार ने हजारों करोड़ रुपए खर्च करके उन्हें पूरा करवाया है। देश में आधुनिक तरीके से एक करोड़ हैक्टेयर भूमि में माइक्रो इरिगेशन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में पिछले 10 साल में 5 लाख हैक्टेयर भूमि में माइक्रो इरिगेशन हो रहा है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर देश के हर जिले में 75-75 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं। कैच द रेन अभियान के अंतर्गत 3 लाख से अधिक रिचार्ज वेल बनाए गए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में जहाँ-जहाँ भूजल स्तर कम था, वहाँ अटल भूजल योजना चलाई गई है।

मध्यप्रदेश दुनिया के 10 सबसे बड़े आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन में शामिल

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन में अव्वल है। एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश दुनिया के 10 सबसे बड़े आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन में शामिल है। हमारी सरकार देश-विदेश की पर्यटकों को सुविधाएं बढ़ा रही है। विदेशों के लिए ई-वीजा सुविधा प्रारंभ की गई है। ज्ञ-20 की खजुराहो में हुई बैठक में एमपी टूरिज्म का प्रचार-प्रसार किया गया। देश में हेरिटेज और वाइल्डलाइफ टूरिज्म का विस्तार किया जा रहा है। इसकी मध्यप्रदेश में अभूतपूर्व संभावना है। केंद्र की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म और हेरिटेज टूरिज्म का विस्तार किया जा रहा है। गांधी सागर, बाणसागर, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, सांची, खजुराहो, ग्वालियर ओरछा, चंदेरी, मांडू आदि पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। केन-बेतवा योजना की लिंक नहर के माध्यम से पन्ना टाइगर रिजर्व में पर्यटन बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे।

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहा है। आज दुनिया भारत को जानना चाहती है। पिछले दो दशकों में मध्यप्रदेश ने कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। आने वाले सालों में मध्यप्रदेश देश की टॉप इकोनॉमी में से एक होगा। प्रदेश में तीव्र गति से निरंतर हो रहे विकास कार्यों के फलस्वरुप विकसित बुंदेलखंड, विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत बनेगा। हमारी डबल इंजन सरकार निरंतर ईमानदारी से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सुशासन का अर्थ है जनता को अपने अधिकारों के लिए हाथ न फैलाना पड़े और सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। सुशासन के लिए हमने तकनीकी का भी पूरा उपयोग किया, जिससे फर्जीवाड़ा बंद हुआ है। गरीबों के जन-धन बैंक खाते खुलवाए गए और उन्हें आधार और मोबाइल से जोड़ा गया। अब उनके खाते में किसान सम्मान निधि, लाडली बहना आदि योजनाओं की राशि सीधे ही पहुंच रही है। गरीबों को बिना परेशानी के मुफ्त राशन उपलब्ध कराने के लिए एक देश-एक राशन कार्ड योजना चल रही है। हम सुशासन की वर्तमान चुनौतियों को दूर करते हुए भविष्य की चुनौतियों पर भी कार्य कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल से चंबल-मालवा और बुंदेलखण्ड में होगी पर्याप्त पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश के संदर्भ में आधुनिक युग के भगीरथ हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राजा भगीरथ के प्रयासों से अवतरित हुई गंगा जी ने सभी को नया जीवन प्रदान किया था, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत में नए युग का सूत्रपात किया है। सकारात्मक सोच और प्रयासों से 10-12 साल में किस प्रकार परिस्थितियों में सुधार होता है, प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यकाल इसका श्रेष्ठ उदाहरण है और हम सब इसके प्रत्यक्षदर्शी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी प्रकार से संपन्न वीरों की भूमि बुंदेलखंड, सूखे से सदैव प्रभावित रहा। पिछली सरकारों ने बुंदेलखंड के विकास को प्राथमिकता नहीं दी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्षेत्र को सूखा मुक्त करने और जल की पर्याप्त व्यवस्था करने का सपना देखा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस सपने को धरातल पर उतारने की पहल की। केन बेतवा लिंक परियोजना के शुभारंभ के साथ ही कुछ दिन पहले 35 हजार करोड़ रूपए लागत की पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना का शुभारंभ ऐतिहासिक था। इन परियोजनाओं से चंबल, मालवा और संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र को पीने का पानी एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी और उद्योग-धंधों को पानी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की बुंदेलखंड क्षेत्र में पूर्व में तीन यात्राएं हुई। इन यात्राओं में उन्होंने बुंदेलखंड के कष्ट को समझा और आज क्षेत्र के लोगों को होली-दिवाली मनाने जैसी सौगातें प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सौगात के लिए प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

ओंकारेश्वर सोलर परियोजना का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री मोदी की नवाचारी पहल का परिणाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश में सुशासन के सभी प्रबंध किये जा रहे है। गरीब, युवा, किसान सहित सभी वर्गों की चिंता करने के साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकतंत्र को भी पुष्पित-पल्लवित किया है। इसलिये गरीब किसान परिवार के व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना संभव हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सरकार-समाज-व्यवस्था सभी का समान रूप से ध्यान रखते हुए प्रस्तुत आदर्श के लिए उनका अभिनंदन है। ऐसे विजन से ही लोगों के जीवन की दिशा बदलती है। मध्यप्रदेश के लिए 8 दिन में दो बड़ी नदी परियोजनाएं स्वीकृत कर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्यों को संदेश दिया है कि हमारी प्राकृतिक संपदाएं राज्यों की परस्पर बेहतरी के लिए होना चाहिए, मात्र संकीर्ण स्वार्थों के लिए नहीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की नवाचारी पहल के परिणाम स्वरुप ही देश की पहली ओंकारेश्वर सोलर परियोजना का लोकार्पण हो रहा है। इससे सौर ऊर्जा से पर्याप्त विद्युत आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के मध्यप्रदेश आगमन से प्रदेशवासियों में गर्व और आनंद का संचार हुआ है।

जनकल्याण पर्व में प्रतिदिन प्रदेश को मिली सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के 1 वर्ष की पूर्णता पर आरंभ जनकल्याण पर्व पूरा हो रहा है। इस पूर्व के दौरान 11 दिसंबर (गीता जयंती) से अब तक प्रतिदिन प्रदेश को सौगातें प्रदान की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 35 हजार करोड़ रूपये लागत की पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की सौगात और 44 हजार करोड़ रूपये से अधिक लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि-पूजन प्रदेश के लिए बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण सौगात है। जनकल्याण पर्व के समापन अवसर पर नदी जोड़ो परियोजनाओं की लगभग 75 हजार करोड़ रूपये की सौगातों के साथ 30 हजार करोड़ से अधिक लागत के भूमि-पूजन और लोकार्पण आज हुए हैं, इस प्रकार 1 लाख 10 हजार करोड़ से अधिक के कार्य प्रदेश में आज आकार ले रहे हैं।

जनकल्याण अभियान में घर-घर जाकर जरूरतमंदों को जोड़ा जा रहा है योजनाओं से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए और जनता को उनका हक मिलना चाहिए। इसीलिए प्रदेश में जनकल्याण पर्व के साथ-साथ 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक ग्राम और वार्ड स्तर तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में पात्र हितग्राहियों का सर्वे कराकर शिविरों के माध्यम से गरीब हितैषी 76 और 53 व्यक्तिगत योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। अब तक 7 हजार से अधिक शिविर आयोजित हुए हैं, जिनमें साढ़े 5 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 3 लाख आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। जनता के हित की बात जनता के घर जाकर करने के उद्देश्य से संचालित अभियान में शासकीय अमला जरूरतमंद लोगों के घर-घर जाकर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रहा है।

औद्योगिक गतिविधियों के लिए प्रदेश को प्राप्त हुए हैं 4 लाख करोड़ के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में छह रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव संपन्न हुई हैं, जिसमें 2 लाख 7 हजार करोड़ रूपये और मुंबई, बेंगलुरु, कोयंबटूर और कोलकाता में किए गए रोड शो से 1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश और भोपाल में आयोजित खनन कॉन्क्लेव के माध्यम से 20 हजार करोड़ रूपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए। यूके और जर्मनी टूर से 78 हजार करोड़ के प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार औद्योगिक गतिविधियों के लिए संयुक्त रूप से 4 लाख करोड़ रूपये के प्रस्ताव प्रदेश को प्राप्त हुए हैं, इससे प्रदेश के स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

शहर की सड़कों पर दौड़ते हुए चीता वापस पहुंचा जंगल में

श्योपुर। मध्यप्रदेश में कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल से निकलकर 90 किलोमीटर दूर श्योपुर के नजदीक पहुंचे चीते ने चार दिनों बाद शहर के रास्ते वापस जंगल की ओर रवानगी ले ली। खास बात यह है कि चीता जंगल लौटते समय आधी रात को शहर की सड़कों पर दौड़ लगाता कैमरे में कैद हुआ। अब चीता वापस जंगल की ओर रुख कर गया है। बताया जा रहा है कि वह अब कूनो के बफर जोन में जा पहुंचा है। पिछले शनिवार को कूनो की हद छोड़ 90 किलोमीटर की दूरी तय कर चीता अग्नि श्योपुर शहर से सटे ढेंगदा गांव और शहरी सीमा में पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास अमराल नदी के किनारे लगी क्रेशर के कुछ दूर आया और बीते 4 दिन तक आसपास ही चहल कदमी करता रहाष चीते की निगरानी में ट्रेकिंग टीमें 24 घंटे लगी थी। इसी बीच, मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात चीता शहर के वीर सावरकर स्टेडियम के पास देखा गया। फिर आधी रात को ही श्योपुर शिवपुरी हाइवे पर निकल पड़ा और चीता स्टेडियम, कलेक्ट्रेट और ईको सैंटर होते हुए बावंदा नाले तक सड़क पर दौड़ लगाता कैमरे के कैद हुआ। चीते के पीछे ट्रेकिंग टीम की गाड़ी लगी रही। बुधवार को चीता अग्नि की लोकेशन भेला भीम लत गांव के पास बताई जा रही थी।

पक्षियों के झुंड से टकराया प्लेन आग के गोले में बदला, कई की मौत

अस्ताना। अजरबैजान एयरलाइन्स का एक विमान कजाखस्तान में क्रैश हो गया। देश के आपात मंत्रालय ने कहा कि विमान में 70 लोग सवार थे और हादसे में कम से कम 30 लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि कई स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मरने वालों की तादाद 42 पहुंच गई है। ऐसी जानकारी मिली है कि विमान चालकों ने क्रैश से कुछ देर पहले इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी थी। यह भी कहा जा रहा है कि विमान जब हवा में था तो पक्षियों के झुंड से टकराया और फिर उसके ऑक्सीजन टैंक में धमाका

हुआ। फुटेज में देखा जा सकता है कि विमान लैंडिंग करते ही आग के गोले में बदल जाता है और विमान के परखच्चे उड़ जाते हैं। अजरबैजान एयरलाइंस की उड़ान संख्या जे2-8243 में उस समय आग लग गई जब यह कजाख शहर अक्तौ के निकट आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास कर रही थी। विमान रूस के ग्रोज्नी शहर जा रहा था लेकिन कोहरे के कारण उसने रूट चेंज कर दिया था। फुटेज में देखा गया है कि विमान लैंडिंग गियर नीचे करके तेज गति से जमीन की ओर बढ़ रहा है और उतरते ही उसमें आग लग जाती है। एयरलाइन ने कहा कि विमान ने अक्तौ से लगभग 3 किमी (1.9 मील) दूर आपातकालीन लैंडिंग की। प्रारंभिक आकलन के अनुसार दुर्घटना में 25 लोगों की जान बच गई तथा इनमें से 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एयरलाइन ने कहा कि विमान में 62 यात्री और 5 चालक दल के सदस्य सवार थे, लेकिन अन्य रिपोर्टों के अनुसार कुल यात्रियों की संख्या 72 थी। जीवित बचे लोगों की संख्या 25 से 32 के बीच बताई गई है।

अल्लू अर्जुन की टीम ने भगदड़ पीड़ित परिवार को दिए 2 करोड़ रुपए

हैदराबाद। हैदराबाद के संध्या थिएटर में 4 दिसंबर को तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में महिला की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद अल्लू अर्जुन और फिल्म के निर्माताओं ने महिला के परिवार के लिए 2 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि इस भगदड़ के दौरान महिला का 8 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। अल्लू अर्जुन के पिता और अनुभवी निर्माता अल्लू अरविंद ने निर्माता दिल राजू के साथ उस निजी अस्पताल का दौरा किया, जहां भगदड़ में घायल बच्चे का इलाज किया जा रहा है। इस बीच, तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के अध्यक्ष और प्रमुख निर्माता दिल राजू ने कहा कि सरकार और फिल्म जगत के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा दिए जाने के लिए फिल्म हस्तियों का एक प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी से गुरुवार को मुलाकात करेगा। चिकित्सकों ने अल्लू अरविंद को बताया कि लड़के के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और अब उसे ऑक्सीजन और वेंटिलेटर सपोर्ट की जरुरत नहीं है। इसके बाद अरविंद ने राहत की सांस ली। अल्लू अरविंद ने घोषणा की कि लड़के के परिवार की मदद करने के वास्ते अल्लू अर्जुन ने एक करोड़ रुपये, फिल्म पुष्पा की प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने 50 लाख रुपये और फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी है।

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई में 'दंगल': नगर निगम कर्मियों ने गौशाला हटाई, एक ही वाहन में 20-25 गायें भरी,भड़क गया हिंदू संगठन

नगर निगम कर्मियों पर लाठी-पत्थर लेकर टूट पड़े 50 लोग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। क्रिसमस के दिन इंदौर में बड़ा हंगामा हो गया। नगर निगम द्वारा गौशाला को हटाने के दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भड़क गए और नगर निगम कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने निगम के वाहनों में तोड़फोड़ भी की। मामला बुधवार सुबह का है। नगर निगम की डिप्टी कमिश्नर लता अग्रवाल ने कहा कि बुधवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे सत्यदेव नगर और दत्त नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। निगमकर्मी गौवंश को गाड़ियों में भरकर ले जा रहे थे। इसी बीच बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। उन्होंने कार्रवाई का विरोध किया। निगमकर्मियों ने समझाया तो मारपीट करने लगे। अभी दोनों पक्षों की ओर से किसी ने भी एफआईआर दर्ज नहीं कराई है। डिप्टी कमिश्नर ने के मुताबिक निगम के 3 कर्मचारियों को चोटें आई हैं। बजरंग दल द्वार 4-5 गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की गई है। जिन गौशालाओं पर कार्रवाई की गई है, उन्हें पहले भी नोटिस जारी किए जा चुके थे।

कर्मचारियों को पुलिस की मौजूदगी में पीटा

स्थानीय लोगों ने सरकारी जमीन पर अवैध गौशाले कि शिकायत की थी।

इस पर नगर निगम कि टीम ने अतिक्रमण हटाया और गायों को गौशाला ले जाने लगे। इसी बीच बजरंग दल के लोगों ने निगम की टीम पर हमला कर दिया। लगभग 50 लोगों की भीड़ ने निगमकर्मियों पर लाठियों और पत्थरों से हमला कर दिया। गाड़ियों के कांच तोड़ दिए गए और कर्मचारियों को पुलिस की मौजूदगी में पीटा गया। इस घटना में तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा शेल्बी हॉस्पिटल पहुंचे और यहां भर्ती निगमकर्मियों से बातचीत कर उनका हाल जाना। हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि कर्मचारियों के इलाज में कोई भी कमी न आए।

इस दौरान वहां मौजूद निगम कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए कमिश्नर वर्मा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया जाए वरना कर्मचारी संगठन गुरुवार को हड़ताल पर रहेगा। इंदौर नगर निगम की डिप्टी कमिश्नर लता अग्रवाल ने बताया कि दत्त नगर इलाके में गौशाला का निर्माण बिना किसी अनुमति के किया गया था और स्थानीय निवासियों की शिकायत पर इसे हटाया जा रहा था। उनकी जानकारी के अनुसार, दो-तीन नगर निगम कर्मचारियों की पिटाई की गई, लेकिन यह भी सामने आया है कि मारपीट में दोनों पक्ष शामिल थे। डिप्टी कमिश्नर ने पुष्टि की कि नगर निगम के कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बजरंग दल के संयोजक ने लगाया यह आरोप

स्थानीय बजरंग दल के संयोजक प्रवीण दारेकेर ने दावा किया कि दत्त नगर में गौशाला करीब 30 साल पुरानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब गायों को निगम की गौशाला में ले जाया जा रहा था, तो एक ही वाहन में 20-25 गायें भर दी गईं और उनमें से पांच से सात घायल हो गईं। उन्होंने कहा कि इस घटना से हिंदू समुदाय के लोग भड़क गए और जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो नगर निगम के कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। बजरंग दल के संयोजक प्रवीण दरेकर ने कहा कि अगर हमारे किसी कार्यकर्ता के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया जाता है, तो हम भी निगम कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाएंगे।

विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री पप्पू गोचले के मुताबिक निगम कर्मचारी गौ वंश के साथ क्रूरता करते हैं। रस्सी से खींचकर, पूंछ मोड़कर उन्हें गाड़ियों में भरते हैं। बुधवार को भी ऐसा ही किया जा रहा था। एक गाड़ी में 7 पशुओं को लेकर जाने की अनुमति होती है लेकिन वे 15-20 पशुओं को ले जा रहे थे। हमने वहां जाकर विरोध किया तो निगमकर्मियों ने बदतमीजी की इसलिए बजरंग दल ने उनको उनकी भाषा में ही जवाब दिया।

नगर निगम ने दर्ज कराई शिकायत

नगर निगम ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो में एक तीखी बहस दिखाई दे रही है, जिसमें कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से उस वाहन के शीशे तोड़ दिए, जिसमें गायों को नगर निगम के आश्रय में ले जाया जा रहा था। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम का अमला शहर के विकास और जनसुविधाओं के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाता है। निगमकर्मियों पर किया गया हमला अनुचित है। कांग्रेस के प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि महापौर पुष्पमित्र भार्गव घटना पर एफआईआर करवाने की बात कह रहे हैं, जबकि उन्हें शहर के पशुपालकों को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी सरकार की मंशा और नीति क्या है? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महासचिव राजेश चौकसे व गिरधर नागर ने कहा कि गोवर्धन पूजन के दिन सीएम ने गो पालन और संवर्धन की बड़ी-बड़ी घोषणाएं कीं। जमीनी हकीकत अलग है।

30 से ज्यादा अवैध बाड़े चिन्हित

इंदौर में फिर पशु पालन शुरू हो गया है और अवैध बाड़े भी बनने लगे हैं, लेकिन अब उनके खिलाफ नगर निगम ने कमर कसी है। बुधवार सुबह दो बाड़े रिमूवल गैंग ने तोड़े और 50 से ज्यादा मवेशियों को मुक्त कराया। शहर में 30 से ज्यादा अवैध बाड़े अफसरों ने चिन्हित किए है। जिन्हें नगर निगम तोड़ेगा और पशु पालकों के खिलाफ प्रकरण भी दर्ज कराएगा। तीन साल पहले इंदौर पशु मुक्त हो गया था और धारा -144 लगाकर पशु पालन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया था, लेकिन फिर धीरे-धीरे अवैध पशु पालन शुरू हो गया।

बीच सड़क पर जोमैटो डिलीवरी बॉय की सैंटा क्लॉज की ड्रेस उतरवाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में क्रिसमस के दिन जोमैटो के फूड डिलीवरी बॉय को रोड पर रोककर उससे सैंटा क्लॉज की ड्रेस उतरवा दी गई। जानकारी के मुताबिक डिलीवरी बॉय की कॉस्ट्यूम उतरवाने वाले लोग हिंदू संगठन के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। 25 दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक डिलीवरी बॉय सैंटा क्लॉज की कॉस्ट्यूम पहने दिख रहा है। उसे कुछ लोगों ने रोककर जब इसके बारे में पूछा तो जोमैटो के लिए काम करने वाले डिलीवरी बॉय ने बताया कि उसे कंपनी की ओर से क्रिसमस डे के दिन सैंटा क्लॉज की ड्रेस पहनने के लिए दी गई थी। इस पर वीडियो बना रहे शख्स ने डिलीवरी बॉय से कहा, हिंदू त्योहारों में तुम क्यों नहीं भगवान राम की पोशाक या भगवा कपड़ा पहनकर डिलीवरी करते हो? तो डिलीवरी बॉय जवाब दिया कि कंपनी ने दिया है, तो पहनना पड़ता है। इस पर हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुमित हार्डिया ने कहा कि कभी दीपावली पर तो श्री राम बनकर नहीं जाते हो, इतने हिंदू त्योहार आते हैं, कभी भगवा पहनकर भी जाया करो। सांता बनकर क्या संदेश दे रहे हो। सुमित हार्डिया ने आगे कहा कि दूसरे के त्योहारों पर ही इस तरह का काम करते हो। इस पर डिलीवरी बॉय ने कहा कि हमें तो गाइडलाइन का पालन करना होता है। हमें इसे उतारने में कोई हर्ज नहीं है। इसके बाद डिलीवरी बॉय ने सांता की ड्रेस उतार दी।

सैंटा क्लॉज की ड्रेस पहनकर फूड डिलीवरी कर रहे जोमैटो बॉय से हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने कहा कि जोमैटो से सबसे ज्यादा डिलीवरी हिंदू ही करवाते हैं। उन्हें क्या संदेश देना चाहते हो? हिंदुओं के त्योहार पर संदेश देने का काम क्यों नहीं करते? मुस्लिम और ईसाई त्योहार पर ही सारे संदेश याद आते हैं? इसके बाद कार्यकर्ताओं ने उससे कहा कि सैंटा क्लॉज की यह पोशाक उतारो और जोमैटो कंपनी की ड्रेस पहनकर डिलीवरी करो। डर के कारण डिलीवरी बॉय ने सांता क्लॉज की पोशाक उतार दी। डिलीवरी बॉय ने कार्यकर्ताओं को बताया कि जोमैटो कंपनी उन्हें सेल्फी या तस्वीर भेजने को कहती है, ताकि यह वेरिफाइड हो सके कि उन्होंने दी गई ड्रेस पहनी है। अगर वह ड्रेस नहीं पहनते, तो कंपनी उनके पैसे काट लेती है और उनकी आईडी भी ब्लॉक कर दी जाती है। इस पर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब सेल्फी भेजनी हो, तब पहनकर भेज देना। इसके बाद उन्होंने डिलीवरी बॉय की पोशाक अपने पास रख ली और जय श्रीराम कहकर उसे जाने दिया।

राजस्थान के करौली में कार और बस की टक्कर, इंदौर के पांच लोगों की मौत

कंधा देने वाला कोई नहीं, पूरा परिवार ही काल के गाल में समा गया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राजस्थान में हुए एक भीषण सड़क हादसे में इंदौर के पांच लोगों की मौत हो गई। ये सभी एक ही परिवार के थे। जानकारी के अनुसार, इंदौर का रहने वाला यह परिवार राजस्थान के करौली में दर्शन करने के लिए गया था। वहां से वापस घर लौटते समय मंगलवार रात करौली और गंगापुर के बीच एक बस के साथ उनकी कार की टक्कर हो गई और पूरे परिवार की मौके पर ही जान चली गई। इंदौर के शिवशक्ति नगर में रहने वाले निवासी नयन देशमुख (65), पत्नी अनीता (60), बेटी मनस्वी (25), बेटा खुश (24) और बहन प्रीति भट्ट निवासी बड़ौदा (गुजरात) की कार के साथ बस की जोरदार टक्कर हो गई। कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी तरफ, बस में सवार 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें गंगापुर सिटी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। करौली में स्थित नेशनल हाईवे-23 पर यह हादसा हुआ।

इस तरह हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक, हादसा करौली-गंगापुर रोड पर सलेमपुर गांव के पास मंगलवार रात को हुआ। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह चिपक गई। उसे हटाने के लिए जेसीबी का इस्तेमाल करना पड़ा। इंदौर निवासी नयन कुमार देशमुख (63) और उनका परिवार कैलादेवी से गंगापुर की ओर कार से जा रहे थे, जबकि एक निजी बस करौली की ओर आ रही थी। सलेमपुर गांव के पास एक निजी छात्रावास के सामने दोनों वाहन आपस में टकरा गए। इस भीषण हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

करौली के एसपी ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि कार में सवार लोग दर्शन कर गंगापुर सिटी जा रहे थे। कुड़गांव थाना क्षेत्र के सलेमपुर-कुड़गांव रोड पर बस से कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार का अगला हिस्सा बस के नीचे फंस गया। इस हादसे के बारे में पता चलते ही स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया। कुड़गांव थाने की एसएचओ रुक्मिणी गुर्जर ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉच्युर्री में भेज दिए गए हैं। पोस्टमार्टम उनके परिवार के सदस्यों के पहुंचने के बाद किया जाएगा।

रहवासी संघ के सदस्य शव लेने पहुंचे

देशमुख परिवार के चार सदस्यों की एक साथ हुई मौत के बाद इस बात की चर्चा रही कि इन चारों अर्थियों को कंधा कौन देगा। इंदौर में अनूप टॉकिज के पीछे स्थित शिवशक्ति नगर में देशमुख परिवार के घर के बाहर बुधवार सुबह से सन्नाटा छाया रहा। पड़ोस में रहने वाले लोग इस हादसे को लेकर दुखी हैं।

इंदौर से शिवशक्ति नगर रहवासी संघ के कुछ सदस्य शव लेने करौली के लिए रवाना हुए हैं। बुधवार सुबह शिवशक्ति नगर रहवासी संघ के अध्यक्ष रोहित मावले, उनके साथी सुशील गौड़ करौली के लिए रवाना हुए। करौली में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 64 वर्षीय नयन देशमुख, तीन साल पहले ही सिंचाई विभाग से रिटायर हुए थे। वे पत्नी अनीता, बहन प्रीति भट्ट, जो वडोदरा की रहने वाली हैं और एक सप्ताह पहले ही भाई से मिलने यहां आई थी और उनके अलावा बेटी मनस्वी व इंजीनियरिंग कर रहे बेटे कुश देशमुख को साथ लेकर घर से निकले थे। कुश नयन देशमुख का एकमात्र बेटा था। अब घर पर ताला लगा है। रिश्तेदार पहुंच रहे हैं। शव पहुंचने के बाद ही अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

धार्मिक प्रवृत्ति का था देशमुख परिवार

शिवशक्ति नगर के रहवासियों का कहना है कि देशमुख परिवार बड़ा ही मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति का था। परिवार के लोग अकसर धार्मिक यात्राओं पर जाया करते थे। तीन दिन पूर्व जब यह परिवार करौली के लिए रवाना हुआ था, तब परिवार के मुखिया नयन देशमुख ने आसपास के लोगों से कहा था कि बेटी की छुट्टी कम मिल रही है, इसलिए जल्दी लौट आएंगे। किसको पता था कि देशमुख परिवार वापस सकुशल नहीं लौट पाएगा। जिसने भी हादसे की खबर सुनी स्तब्ध रह गया। देशमुख परिवार ने कालोनी के अंदर एक मंदिर भी बनवाया था। इसके अलावा वे समय-समय पर घर में धार्मिक आयोजन भी करवाते थे।

भाजपा नगर अध्यक्ष के लिए शुरू हुई रायशुमारी

जीतू जिराती रेस में, रणदिवे फिर बनना चाहते है अध्यक्ष

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में भाजपा नगर अध्यक्ष के लिए रायशुमारी बुधवार से शुरू हुई। रायशुमारी के लिए 84 नेता लिस्ट में शामिल है। बुधवार को भाजपा कार्यालय में कुछ नेता आए और उन्होंने अपनी तरफ से तीन से चार नामों के प्रस्ताव रखे। नगर अध्यक्ष पद की दौड़ में इंदौर के कई नेता शामिल है। इनमें गौरव रणदिवे का दावा दोबारा मजबूत माना जा रहा है। इसके अलावा जीतू जिराती, आकाश विजयवर्गीय, दीपक जैन टीनू भी इस दौड़ में है। जो नेता रायशुमारी में शामिल होंगे। उसमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, मेयर पुष्य मित्र भार्गव सहित 84 नेता शामिल है। यह नेता अपनी तरफ से जो नाम देंगे। उन्हें बंद लिफाफे में भोपाल भेजा जाएगा। इसके बाद नगर अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। उधर 26 दिसंबर से जिलाध्यक्ष के लिए रायशुमारी होगी, लेकिन सालभर पहले ही चिंटू वर्मा की नियुक्ति हुई है, इसलिए फेरबदल संभव नहीं है।

रणदिवे का दावा इसलिए मजबूत माना जा रहा है,क्योकि उनके कार्यकाल में इंदौर में एक भी सीट भाजपा ने नहीं गवाई। लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को देश में सर्वाधिक वोट मिले। इसके अलावा इंदौर में देश में सबसे ज्यादा भाजपा सदस्य बने है। इस कारण रणदिवे फिर अध्यक्ष बनना चाहते है। उधर खाती समाज के कारण जीतू जिराती का दावा भी मजबूत है,क्योकि इंदौर के खाती समाज से कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी बने है।

खजराना मंदिर में महिला ने पुलिसकर्मी का कॉलर पकड़ किया हंगामा

इंदौर। इंदौर के खजराना मंदिर में बुधवार को एक महिला ने हंगामा कर दिया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना मंदिर के अन्न क्षेत्र की है, जहां महिला ने दो बच्चों को रोककर उनसे पूछताछ शुरू कर दी। बच्चों ने यह बात अपने पिता को बताई, जो मंदिर में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात हैं। गार्ड ने महिला पर बच्चों को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया। इसके बाद महिला को वहां मौजूद पुलिसकर्मी के पास ले जाया गया। पुलिसकर्मी के पास पहुंचते ही महिला ने अपना आपा खो दिया और हंगामा करना शुरू कर दिया। उसने न केवल बहस की, बल्कि पुलिसकर्मी का कॉलर भी पकड़ लिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा गार्ड ने महिला को पकड़कर मंदिर परिसर से बाहर निकाला। इस दौरान माहौल गमार्ता रहा और वहां मौजूद लोग यह सब देखते रहे। टीआई मनोज सेंधव ने बताया कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही है। पुलिस ने महिला को थाने ले जाकर उससे पूछताछ की और उसकी पहचान के लिए उसके परिवार के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की बात कही है। घटना के बाद खजराना मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मंदिर प्रबंधन और पुलिस का कहना है कि सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। 18 दिसंबर के दिन मध्यप्रदेश में इनकम टैक्स और लोकायुक्त की बिल्डर्स के यहां छापेमारी में बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। इसमें करोड़ों की काली कमाई करने वाले आरटीओ कॉन्स्टेबल का खुलासा हुआ। इसने 7 साल की नौकरी में इतना पैसा छाप दिया। वहीं, पूरे देश में इस रेड की चर्चा हो रही है क्योंकि आए दिन इसमें चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इसमें जांच कर रहे अधिकारियों के बीच एक सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, लोकायुक्त ने गुरुवार के दिन पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर पर रेड मारी थी। अरेरा वाले घर में लाखों रुपए के कैश, सोने-चांदी की जूलरी और कई प्रॉपर्टी के कागजात मिले। लोकायुक्त ने जिस कॉन्स्टेबल के घर रेड मारी उस पर टोल नाको पर पोस्टिंग के लिए दलाली का आरोप है। सवाल ये उठता है कि वीआरएस लेकर बिल्डर बने कॉन्स्टेबल तक लोकायुक्त कैसे पहुंची?

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को लेकर लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है। लुक आउट सर्कुलर जारी होने के बाद सौरभ शर्मा अब भारत आने पर सीधे जांच एजेंसियों के शिकंजे में आ सकेगा। साथ ही बिना विभाग की परमिशन के देश से बाहर भी नहीं जा सकेगा।

ऐसे शुरू हुई लोकायुक्त की जांच

पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के खिलाफ लोकायुक्त को एक टिप मिली थी। इसके बाद से लोकायुक्त की जांच शुरू हुई। लोकायुक्त टीम ने शर्मा की संपत्तियों की जांच के लिए सर्च वारंट हासिल किया। टीम ने 19-20 दिसंबर के दिन सौरभ के अरेरा कॉलोनी में स्थित दो घरों में रेड मारी। यहां एक घर में जांचकर्ता को 3.8 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति मिली। इसमें 1.1 करोड़ की फॉरेन करेंसी और रुपए मिले। 50 लाख रुपए के सोने और हीरे की जूलरी साथ ही 2.2 करोड़ रुपए के घरेलू सामान और गाड़ियां मिली।

ऑफिस में मिला यह सामान

सौरभ का दूसरा घर जिसका उपयोग ऑफिस के रूप में उपयोग में लाया जा रहा था। वहां से 30 लाख रुपये के दैनिक उपयोग की वस्तुएं और विलासिता के सामान, 2.1 करोड़ रुपये की कीमत की 234 किलोग्राम चांदी और 1.7 करोड़ रुपये नगद मिले। दूसरी संपत्ति की कुल इन्वेंट्री 4.12 करोड़ रुपये की थी।

लावारिस कार का शर्मा से कनेक्शन

इधर सौरभ शर्मा के घर लोकायुक्त की जांच चल रही थी कि अचानक आयकर विभाग को मेंडोरी गांव के पास जंगल में छोड़ी हुई कार बरामद हुई। इस कार से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नगद मिले। आईटी की टीम की खोज का कनेक्शन पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा और उसके साथी चंदन सिंह से जुड़ा है। इन पर लोकायुक्त के छापे से जुड़ा है। इन दोनों पर आय से अधिक संपति का मामला चल रहा है।

आईटी को कार की किसने दी जानकारी

इधर उच्च अधिकारियों के बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि लोकायुक्त को तलाशी के दौरान आरोपी की कार कैसे नहीं मिली। इससे भी ज्यादा दिलचस्प बात यह है कि देर रात नगदी और सोने से भरी लावारिस एसयूवी के बारे में आयकर विभाग को किसने सूचना दी।

करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि शर्मा की कुल चल संपत्ति 7.9 करोड़ रुपये की हो सकती है। आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपी शर्मा की पत्नी, मां दोस्त शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर सहित उनके करीबी सहयोगियों को समन जारी किया गया है। इसके अलावा आयकर विभाग को लावारिस कार से कुछ और सबूत मिले हैं, जिससे जांच में एक और परत जुड़ गई है।

सौरभ शर्मा के हिस्सेदारों के नाम प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचे!

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। लोकायुक्त ने सौरभ और उसके परिवार को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। इस बीच मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। उस चिट्ठी में उन्होंने सौरभ शर्मा के हिस्सेदारों के नाम बताए हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि लोगों में चर्चा है कि पूर्व परिवहन मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री के यहां परिवहन घोटाले का कितना माल पहुंचा होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के इतिहास का यह सबसे बड़ा घोटाला है। जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले राज्य सरकार की कथनी और करनी को बेनकाब कर दिया है। वहीं, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि सौरभ शर्मा नाम के जिस पूर्व आरक्षक पर इस करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। उसे पूर्व परिवहन मंत्री का सीधा संरक्षण प्राप्त था। मुझे जानकारी मिली है कि सौरभ शर्मा पूर्व परिवहन मंत्री के परिवार के सदस्य की तरह बंगले पर बैठता था, जहां वकील साहब के नाम से मशहूर संजय श्रीवास्तव के साथ बैठकर पूरे प्रदेश में परिवहन विभाग के करोड़ों रुपए के लेन-देन का हिसाब किताब रखता था। दिग्विजय सिंह ने उसके हिस्सेदारों के नाम जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा ने संजय श्रीवास्तव, आरटीआई, वीरेश तुमराम, पूर्व आरटीआई, दशरथ सिंह पटेल के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में संचालित आर.टी.ओ. बैरियर पर वसूली का ठेका ले लिया। यह वसूली गैंग अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग कराया करती थी। इनके विश्वासपात्र प्रायवेट कटर चेकपोस्ट पर उगाही करके हिसाब अपने आकाओं तक पहुंचाया करते थे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से मप्र और यूपी को फायदा

सूखाग्रस्त बुंदेलखंड में भी लहराएगी हरियाली

सिटी चीफ भोपाल।

© Uma Shankar Pandey

भोपाल। आपने मध्यप्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड में पानी के लिए लोगों को तरस्ते देखा होगा। भीषण गर्मी में सूखे की वजह से किसानों की आत्महत्या की खबरें आपने पढ़ीं और सुनी होंगी। हालात ऐसे कि पानी की एक-एक बूंद के लिए कई किलोमीटर तक किसानों को पैदल चलना पड़ता है। कई जगहों पर जान जोखिम में डालकर सैकड़ों फीट गहरे कुंए में उतरना पड़ता है, तब कहीं जाकर प्यास बुझाने के लिए एक बाल्टी पानी नसीब होता है। लेकिन, अब बुंदेलखंड में पानी के इस भीषण संकट का समाधान होने जा रहा हैं। मध्यप्रदेश से निकलने वाली केन और बेतवा नदी के आपस में जुड़ने के बाद पानी के संकट से लोगों को छुटकारा मिलेगा, किसानों के खेतों में हरियाली लहराएगी।

मप्र और उत्तरप्रदेश के लोगों को कितना फायदा?

केन बेतवा लिंक परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के 10 जिलों में 8.11 लाख हेक्टेयर और उत्तरप्रदेश के 4 जिलों में 2.51 लाख हेक्टेयर मिलाकर कुल 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी। केन-बेतवा लिंक परियोजना से दोनों राज्यों के करीब 65 लाख लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। मध्यप्रदेश के 44 लाख और उत्तरप्रदेश के 21 लाख लोगों के लिए जल संकट खत्म होगा। पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी और दतिया समेत कुल 10 जिलों के लगभग दो हजार गाव में 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 7 लाख किसान परिवारों को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। वहीं, उत्तरप्रदेश में 59 हजार क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी और 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जाएगा। जिससे उत्तरप्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर और बांदा जिले में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। दौधन बांध के निर्माण से उत्तरप्रदेश के बांधा जिले में बाढ़ की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

मध्प्रदेश के सिंचाई रकबे में बढ़ोतरी होगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की दो राष्ट्रीय परियोजनाओं केन-बेतवा और पार्वती कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजनाओं से प्रदेश के सिंचाई रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा करीब तीन लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निमार्णाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयरहोने की संभवना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण और संधारण के लिए वर्ष 2023-25 के बजट में 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

दौधन बांध बनाकर पानी को रोका जाएगा

केन नदी बुंदलेखंड की प्रमुख नदियों में से एक हैं। यह नदी यमुना की सहायक नदी है। केन नदी मध्यप्रदेश के कटनी जिले से निकलती हैं। यह नदी उत्तरप्रदेश के बांधा जिले के चिल्ला गांव में यमुना में मिलती है। इससे पहले यह 427 किमी की दूरी तय करती है। केन नदी पर पन्ना टाइगर रिजर्व के पास दौधन गांव के पास दौधन बांध बनाकर पानी को रोका जाएगा। इसके बाद टनल और नहर के माध्य से पानी को बेतवा में छोड़ा जाएगा। वहीं, बेतवा नदी मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से निकलती है। यह नदी रायसेन, भोपाल, विदिशा से होते हुए उत्तर प्रदेश के झांसी, ललितपुर जिलों से बहती हुई यमुना में मिलती है। इससे पहले यह 590 किमी की दूरी तय करती है।

भोपाल कलेक्टर हैं कूल! कर्मचारी बनकर जनता के बीच पहुंचे...

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। यूं तो अकसर देखने में आता है कि एक आईएएस अधिकारी का खूब रुतबा होता है। उनकी ऐंठ ही कम नहीं होती है। एक तो एसी आफिस से बाहर ही नहीं आते, अगर कभी आए तो आम जनता का उनसे मिलना मुश्किल होता है। लेकिन, इस बार एक आईएएस अधिकारी कुछ अलग तरह की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं। ये अधिकारी कोई और नहीं भोपाल के कलेक्टर हैं। उनके दफ्तर के लोग उन्हें कूल कलेक्टर की संज्ञा देते दिखते हैं। यह सिर्फ कहने की बात नहीं है। कलेक्टर कई बार ऐसे काम करते दिख जाते हैं, जिससे वह चर्चा का विषय बन जाते हैं। दरअसल, हम भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की बात कर रहे हैं। मंगलवार के दिन उन्होंने फिर ऐसा काम किया की उनकी कूल कलेक्टर वाली छवि सामने आई। दरअसल, भोपाल में शहर के अलग-अलग हिस्सों में जनकल्याण शिविर लगाए गए थे। इन शिविरों में कर्मचारी उपस्थित थे और जनता की समस्याएं सुन रहे थे। इस बीच खुद कलेक्टर वहां पहुंच गये और कर्मचारियों की जगह खड़े होकर जनता की समस्याएं सुनने लगे।

नागरिक मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित न रहें

जनकल्याण शिविर में कर्मचारी बन पहुंचे कलेक्टर ने लोगों से पूछा कि कोई समस्या तो नहीं है? कलेक्टर ने वहां मौजूद अधिकारी और कर्मचारियों को हिदायत देते हुए कहा कि नागरिक मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित न रहे। उनकी समस्या तुरंत हल की जाए। आपको बता दें कि भौंरी के वार्ड-3, 4 और 5 में शिविर लगे थे। यहां पर प्रशासन को कुल 700 आवेदन मिले थे, जिनमें से 440 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। वहीं, बाकी को एक सप्ताह के भीतर निराकरण किया जाने की पहल की जा रही है। बता दें कि जनकल्याण शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन 26 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है।

महिलाओं ने कर दी फोटो खिचवाने की मांग

शिविर में पहुंचे कलेक्टर के साथ एक और रोचक घटना हुई। दरअसल, कलेक्टर जब लौटकर जा रहे थे तभी वहां कुछ महिलाएं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थी। महिलाओं ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से फोटो खिंचवाने का आग्रह किया, जिसे कलेक्टर ने खुशी-खुशी स्वीकार भी कर लिया। इसके बाद जो तस्वीर खिंची वह आपके सामने है।

दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद जहांगीराबाद में भारी सुरक्षा व्यवस्था

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के जहांगीराबाद में मंगलवार को दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तीन पाइंट पर दस महिला जवान सहित 60 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिस रास्तों को लेकर विवाद हुआ उसे बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया है। सरदार मोहल्ले में बुधवार सुबह 6 बजे पुलिस ने दबिश दी। बलवा में शामिल होने के संदेह में एक दर्जन से अधिक युवकों को हिरासत में ले लिया है। हालांकि, पुलिस ने सिर्फ 2 युवकों को गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि की है। क्षेत्र में अधिकांश दुकानें बंद रहीं। बता दें, जहांगीराबाद की पुरानी गल्ला मंडी में दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ था। इस दौरान एक पक्ष ने तलवारें लहराई, डंडे और फर्सों से लोगों को पीटा था। घटना में 5 लोग घायल हुए, इनमें महिलाएं भी हैं। दो लोगों को अधिक चोट आई थी। रविवार को सरदार मोहल्ले से तेज बाइक निकालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। मामले में जहांगीराबाद थाने में 5 आरोपियों पर केस दर्ज किया था। जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। दो आरोपी फरार चल रहे थे। मंगलवार को फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। मौके पर पहले से पुलिस बल मौजूद था। लोगों की बढ़ती भीड़ को देखकर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी गई।

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बहुजन समाज के लोगों ने किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में बुधवार को बहुजन समाज के लोगों ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन किया। आदिवासी और वंचित समाज के लोगों ने अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से बाबा साहब का अपमान करने के लिए माफी मांगने को भी कहा। लोगों का कहना है कि अमित शाह को अपने बयान के तुरंत बाद माफी मांग लेनी चाहिए थी। अब जब तक वे इस्तीफा नहीं देंगे, बहुजन समाज हर दिन देशभर में प्रदर्शन करता रहेगा।17 दिसंबर को अमित शाह ने संसद में बाबा साहब अंबेडकर पर बयान दिया था, जिससे विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है...आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्म तक स्वर्ग मिल जाता। बोर्ड ऑफिस चौराहे पर प्रदर्शन में वंचित और आदिवासी वर्ग के साथ महिलाएं भी शामिल थीं। जयस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष साधना उइके ने कहा कि हम अंबेडकर, अंबेडकर क्यों नहीं करेंगे? संविधान और हमारे अधिकार बाबा साहब की देन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमित शाह के माफी न मांगने पर भोपाल से दिल्ली तक प्रदर्शन होगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहब के अनुयायी, महिलाएं और वंचित वर्ग आहत हैं। उन्होंने कहा, अब पानी सिर के ऊपर जा चुका है, और हम बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में अब पानी में नहीं बहेगा पैसा...

सिटी चीफ भोपाल।

;भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अधिकारी ऑफिस में आरो लगे होने के बाद भी साल में करीब 8 लाख का बिसलेरी बॉटल का पानी पी जाते हैं। यानी हर महीने 60 से 70 हजार रुपए का पानी एनएचएम द्वारा खरीदा जाता है। यहां जनता के पैसे को पानी में बहाया जा रहा है। लेकिन अब इस पर रोक लग गई है। दरअसल एनएचएम की नई मिशन संचालक (एमडी) सलोनी सिडाना ने जब देखा कि हर ऑफिस में बिसलेरी बॉटल पहुंच रही है तो उन्होंने इसकी पड़ताल की तो पता चला कि दफ्तर में सभी अधिकारी कर्मचारी बिसलेरी का ही पानी पीते हैं। उन्होंने तत्काल इस मामले पर एक्शन लिया और निर्देशित किया कि अब सभी आरो का ही पानी पिएंगे और बिसलेरी की सप्लाई को बंद करने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार कई अधिकारी बिसलेरी की बोतल अपने घर भी ले जाते थे। एनएचएम में अधिकारियों और कर्मचारियों को शुद्ध पानी उपलब्ध हो सके इसके लिए यहां के सभी विभागों में अलग-अलग आरो लगाए गए हैं, लेकिन कोई भी व्यक्ति यहां तक की छोटे कर्मचारी भी बिसलेरी बोतल का ही पानी पीते नजर आता हैं। धीरे-धीरे यहां लगे आरो खराब होने लगे थे कई आरो बंद हो चुके थे। नई मिशन संचालक सलोनी सिडाना ने तत्काल इन्हें सुधारने के निर्देश दिए और अब इन्हें सुधार दिया गया है। सभी अधिकारियों को कहा गया कि अपने ऑफिस में आरो का पानी उपयोग करें । केवल मीटिंग बैठकों में ही बिसलेरी पानी का उपयोग किया जाएगा। एनएचएम सूत्रों के अनुसार एनएचएम में पदस्थ अधिकारी यहां तक की पुरानी एमडी और डायरेक्टर भी पानी के बोतल अपने घर ले जाते थे, और कहा जाता था कि अधिकारियों के घर पर जो उनसे मिलने आते हैं उनके लिए ले जाया जाता है। यही वजह है कि महीने में करीब 60 से 70 हजार रुपए का पानी खरीदा जाता था। अब इस पर रोक लग गई है। जिससे विभाग को साल में 8 लाख से ज्यादा रुपए की बचत होगी। सूत्रों की माने तो कई अधिकारी 5-5 बोतल की पेटी गाड़ियों में भर कर घर ले जाते थे।

एनएचएम जहां स्वास्थ्य विभाग के लिए काम करता है वहीं दूसरी तरफ यहां के अधिकारी बोतल बंद पानी पीकर स्वास्थ्य खराब कर रहे थे। एक रिसर्च के मुताबिक पॉली काबोर्नेट की बोतलों से पानी पीने में केमिकल बिस्फेनॉल ए पाया जाता है। इस केमिकल का ज्यादा सेवन दिल के रोग और डायबिटीज का खतरा कई गुना बढ़ा सकते हैं। वहीं प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से उसमें मौजूद रसायन बीपीए और फेथलेट्स प्रजनन क्षमता को प्रभावित करते हैं। ये पानी हार्मोन असंतुलन का कारण बनता है। माइक्रोप्लास्टिक से दूषित पानी कोशिकाओं में सूजन और क्षति का कारण बनता है ।एक्सपर्ट के मुताबिक प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से कैंसर की बीमारी का खतरा बढ़ने लगता है। प्लास्टिक की पॉलिथीन में रखी गर्म चीज खाने या पीने से कैंसर की आशंका बढ़ जाती है।

सम्पादकीय

डिटेंशन पॉलिसी हटाने से सुधर जाएगा शिक्षा का स्तर

डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर देने का असर यह न माना जाए कि इससे शिक्षा का स्तर सुधर जाएगा। ऐसा कोई एविडेंस नहीं है कि इस पॉलिसी के रहते हुए शिक्षा का स्तर गिर गया है। केवल पॉलिसी को हटाने या लाने से शिक्षा का उत्थान या पतन हो जाएगा, यह पूर्ण रूपेण सत्य नहीं है। जब यह पॉलिसी थी तो पहले आठवीं तक फेल होने पर दोबारा एग्जाम देकर या बच्चे को कोचिंग देकर एक मौका मिलता था अपने आपको सुधारने का। उन्हें अब यह मौका नहीं मिलेगा। अब जो डर है वह यह कि पास या फेल होने की पूरी जिम्मेदारी बच्चों और अभिभावकों पर न आ जाए। स्कूलों को इसके लिए जवाबदेह होना होगा।

सरकार की ओर से बड़ा कदम उठाते हुए नो डिटेंशन पॉलिसी हटा दी गई है। शिक्षा का अधिकार अधनियिम 2009 के तहत साल 2010 में यह पॉलिसी लागू की गई थी। इस पॉलिसी के आने के बाद इसे तारीफों के साथ ही आलोचना का भी शकिार होना पड़ा था। तब यह बात कही गई थी कि अगर आठवीं तक के बच्चों को बिना शर्त प्रमोट किया जाता है तो इससे उच्च शिक्षा का स्तर गिरेगा। दरअसल नो डिटेंशन पॉलिसी के अनुसार 6 से 14 साल तक अनवार्य शिक्षा के तहत किसी भी स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चे को आठवीं तक प्रारंभिक शिक्षा होने तक किसी भी कक्षा में दोबारा नहीं पढ़ाया जाएगा। अब इसे हटाते हुए फेल होने वाले बच्चों को दो माह के अंदर फिर से परीक्षा देकर अपने प्रदर्शन में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा। हालांकि इस फैसले ने एक बार फिर उस बहस को तेज कर दिया है, जो करीब डेढ़ दशक पहले नो डिटेंशन पॉलिसी लाने का आधार बनी थी। मसला राइट टु एजुकेशन एक्ट 2009 से जुड़ा है, जिसकी धारा 16 में यह प्रावधान किया गया था कि स्कूलों में आठवीं क्लास तक किसी भी बच्चे को किसी परीक्षा में फेल नहीं घोषित किया जाएगा, न ही उसका अगली क्लास में जाना रोका जा सकेगा। इसके पीछे यह सोच थी कि सभी बच्चों के लिए कम से कम आठवीं क्लास तक की पढ़ाई सुनिश्चित की जाए। यह देखा गया था कि आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े परिवारों के बच्चों में फेल होने की वजह से ड्रॉपआउट बढ़ जाता है। अकसर पढ़ाई में कमजोर ऐसे बच्चों के बारे में यह धारणा बन जाती है कि यह पढ़ने वाला बच्चा नहीं है। लिहाजा उन्हें दूसरे काम में लगाने का भाव परिवार में भी जोर पकड़ने लगता है और वे पढ़ाई से वंचित कर दिए जाते हैं। नो डिटेंशन पॉलिसी के पीछे यह सोच भी थी कि बच्चे का सतत मूल्यांकन किया जाए जिससे उसे पास-फेल घोषित करने के बजाय उसकी कमियों का पता लगाकर उनका निदान करने का काम निरंतरता के साथ होता रहे। यह माना गया था कि कच्ची उम्र में बच्चे की पात्रता देखने का खास मतलब नहीं क्योंकि हर बच्चा सीख सकता है। सवाल उसे सिखाने की सही प्रक्रिया ढूंढने और उसे अपनाने का है जो मूलत: शिक्षा तंत्र की जिम्मेदारी है। समस्या यह हुई कि इस पॉलिसी को लागू किए जाने के बाद फीडबैक पॉजिटिव नहीं आया। यह शिकायत आम थी कि बच्चों और अभिभावकों में पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी कम होती जा रही है। कई राज्यों की ओर से इस पॉलिसी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग होने लगी। इन्हीं वजहों से 2019 में केंद्र सरकार ने आरटीई कानून में संशोधन किया, जिससे संबंधित सरकारों को इसे जारी रखने या छोड़ देने का विकल्प मिला। और, अब केंद्र सरकार ने भी इसे छोड़ने का विकल्प चुना। गौर करने की बात यह है कि अभी भी पचास फीसदी राज्यों में नो डिटेंशन पॉलिसी लागू है और तमिलनाडु ने तो केंद्र के फैसले के बाद भी खुलकर कहा है कि वह इस पॉलिसी को जारी रखेगा। ऐसे में इस पॉलिसी के गुण-दोष परखने का मौका आगे भी मिलता रहेगा। साथ ही, इस सवाल पर विचार करने की गुंजाइश भी बनी रहेगी कि क्या इस पॉलिसी के खिलाफ मिला फीडबैक हमारे शिक्षा तंत्र की कमियों की उपज है और क्या इस पॉलिसी को छोड़ने में सचमुच जल्दबाजी हुई है नो डिटेंशन पॉलिसी हटाने से 5वीं और 8वीं क्लास में पढ़ रहे ऐसे छात्र जो अनुत्तीर्ण हो जाएंगे उन्हें अगली कक्षा में पदोन्नत नहीं किया जाएगा। हालांकि उन्हें दो महीने के अंदर दोबारा से परीक्षा पास करने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी अगर छात्र अनुत्तीर्ण हो जाता है तो फिर उसे उसी कक्षा में दोबारा पूरी साल पढ़ना होगा।

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटलजी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयीजी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वे लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था।

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं अटलजी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटलजी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वे यह भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

25 दिसंबर भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि यह सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटलजी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी।

वे ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वे भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किए गए। वाजपेयीजी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने न सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटलजी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयीजी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानी ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा।

उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते हैं। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे ऑपरेशन शक्ति का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को यह दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है। उन्होंने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया, यह पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया।

वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटलजी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयीजी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वे लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयीजी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वे कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयीजी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है।

संसद में कहा गया उनका यह वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर यह देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

वे भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वे यह भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। एनडीए की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। वे अनेक दलों को साथ लाए और एनडीए को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वे ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति न चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की।

संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उनपर बहुत प्रभाव पड़ा था। वे आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि यह निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयीजी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था।

हम सब जानते हैं, अटलजी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वे साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वे एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वे हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे। मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिस पर यह दृढ़ संगठन खड़ा है।

समानांतर सिनेमा की नई धारा शुरू करने वाले प्रयोगधर्मी निर्देशक श्याम बेनेगल

14 दिसंबर 1934 में हैदराबाद में जन्में प्रयोगधर्मी सिने-निर्देशक श्याम बेनेगल 23 दिसंबर 2024 को गुजर गए। उन्होंने सदैव सामाजिक दायित्व में आम आदमी की भूमिका और उसके हस्तक्षेप के कथानक पर अपनी फिल्में बनाईं। प्रारंभ उन्होंने कॉपी राइटर, एड एजेंसियों में काम करते हुए किया और बाद में 24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 15 एड फिल्म बनाईं। हालांकि, फोटोग्राफी उन्हें विरासत में मिली थी, उनके पिता श्रीधर बी. बेनेगल स्टिल फोटोग्राफी करते थे और श्याम भी बच्चों के फोटो खींचा करते थे। शिक्षण दायित्व भी उन्होंने निभाया, पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्ट्यूट ऑफ इंडिया में पढ़ाया। वे अपनी पहली फीचर फिल्म अंकुर के अंतिम दृश्य में प्रयोग करते हैं, एक छोटा बच्चा गुस्से और बेबसी में एक पत्थर उठा कर क्रूर-दुष्ट जमींदार की खिड़की पर फेंकता है। कांच टूटता है और बेनेगल की पक्षधरता मूर्तिमान हो जाती है।

श्याम बेनेगल ने लगातार प्रयोग किए, कभी नए कलाकारों को लिया, कभी फ्लैशबैक-फ्लैशफॉर्वर्ड का तकनीक प्रयोग, कभी छोटी-छोटी पूंजी को सहकारी रूप दे उन्हें निर्माता बनाया ('मंथन'), कभी बिना बैकग्राउंड म्युजिक की फिल्म बनाई, फिल्म के भीतर फिल्म बनाई ('भूमिका'), और कभी एक व्यक्ति से चार भिन्न-भिन्न कथानक एक साथ प्रस्तुत करवाए ('सूरज का सातवां घोड़ा')।

आज भी दूरदर्शन के प्रसारण 'भारत एक खोज' को लोग याद करते हैं। दो साल की

होमी भाभा फेलोशिप के दौरान बच्चों के लिए तथा टीवी के लिए कई काम किए। फिल्म एवं टीवी के चेयरमैन रहे। राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य रहे। उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार और सम्मान मिला। सरकार ने सम्मानित किया। 1976 में पद्मश्री, 1991 में पद्म भूषण, 2005 में दादा साहब फालके सम्मान प्राप्त हुआ। और 8 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार उनकी झोली में आए, अपने-आप में एक रिकॉर्ड!

श्याम बेनेगल सत्यजित राय के प्रभाव को स्वीकारते हैं, लिखते हैं, मेरे जैसे फिल्म बनाने की महत्वाकांक्षा रखने वाले के लिए, पथेर पांचाली ने संभावनाओं की एक नई दुनिया खोल दी। श्याम बेनेगल ने 1982 में डॉक्यूमेंट्री सत्यजित राय बनाई। इस डॉक्यूमेंट्री का कैमरा गोविंद निहलाणी ने संभाला। बेनेगल राय को आदर्श के सिंहासन पर नहीं बैठाते हैं, यह डॉक्यूमेंट्री एक फिल्मकार की नजर से दूसरे फिल्मकार को देखना है।

वृतचित्र बनने के समय राय अपने प्रथम हृदयाघात से उबर कर स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे, साथ ही घरे-बाइरे एवं सद्गति शूटिंग का मार्ग निर्देशन कर रहे थे। मुख्य रूप से वे राय की कार्यशैली को चित्रित करना चाहते थे, उन्होंने राय को काम करते हुए फिल्माया। डॉक्यूमेंट्री में महानगर के अंतिम हिस्से की शूटिंग की क्लिपिंग्स का उपयोग किया। वे राय के विषय में फिल्म बना रहे थे, दूसरों की राय में सत्यजित के विषय में नहीं, अत: दूसरों के विचार इसमें नहीं रखे। सत्यजित राय को बोलने का अवसर दिया है। इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रिप्ट आज किताब के रूप में प्रकाशित है। फिल्म डिविजन के सहयोग से बनी इस डॉक्यूमेंट्री को 1985 की सर्वोत्तम बॉयोग्राफिकल फिल्म का पुरस्कार मिला। श्याम बेनेगल ने नेहरू पर भी डॉक्यूमेंट्री बनाई। यात्रा उनकी एक अन्य लोकप्रिय डॉक्यूमेंट्री है।

समानांतर सिनेमा का अंग होने के बावजूद श्याम बेनेगल की फिल्में दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहीं, बॉक्स-ऑफिस पर सफल रहीं। अंकुर, निशांत, मंथन कला-फिल्म होते हुए भी सराही गईं। अमरीश पुरी, ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह, कुलभूषण खरबंदा, सईद जाफरी, के. के. रैना, साधु मेहर, रजित कपूर, स्मिता पाटिल, शबाना आजमी जैसी प्रतिभाओं को पहचाना, उन्हें उभारा।

कलात्मक सिनेमा को पहचान दिलाने में श्याम बेनेगल की खास भूमिका है। जब सिनेमा की यह धारा सूखने लगी तो वे मेनस्ट्रीम सिनेमा की ओर मुड़ गए। कुछ दिन विराम लिया, टीवी केलिए काम किया, वहां झंडे गाड़े।

सामान्य चेहरे को विशिष्ट तरीके से फिल्माने वाले श्याम बेनेगल ने चरनदास चोर, कलयुग, आरोहण, मंडी, त्रिकाल, अंतरनाद, सूरज का सातवां घोड़ा, मम्मो, जुबेदा, मुजीब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन (अंतिम फिल्म) आदि फिल्में बनाईं।

समाज की बुराइयों पर अंगुली धरने वाले, जमींदारी प्रथा, जाति प्रथा, स्त्री-पुरुष असमानता पर फिल्म बनाने वाले निर्देशक की अधिकाँश फिल्में सरकार की सहायता से बनीं (हरी-भरी= फर्टिलिटी, वेलडन अब्बा), कई फिल्में उन्होंने स्वयं सहयाद्री फिल्म्स के बैनर तले प्रड्यूस कीं। हाल में उनकी फिल्म मंथन को फिल्म हेरीटेज फाउंडेशन ने रिस्टोर किया है।

स्त्री के प्रति श्याम बेनेगल के मन में कितना सम्मान है, वे उसे किस नजरिए से देखते हैं, यह जानने केलिए उनकी फिल्म भूमिका, जुबेदा, अंकुर, मंथन, मम्मो, सरदारी बेगम देखनी चाहिए। बायोपिक फिल्म भूमिका मराठी अभिनेत्री हंसा वाडेकर की जीवनी है। इसमें स्मिता पाटिल ने एक ऐसी स्त्री की भूमिका निबाही है, जो बिना हल्ला-गुल्ला किए हुए दमन-शोषण का प्रतिरोध करती और ह्यअग्नि परीक्षाह्न से गुजर कर अपने मान-सम्मान के साथ खड़ी होती है।

यह स्त्री उषा/उर्वशी दलवी घर-परिवार, पति, सामंती व्यवस्था के बरबक्स तन कर खड़ी होती है। वही करती है, जो उसके मन में आता है। वास्तविक संदेश देती मंथन की आत्मनिर्भर-स्वाभिमानिनी नायिका बिन्दु (स्मिता पाटिल), जुबेदा की जुबेदा कुछ ऐसी ही नायिकाएँ बेनेगल की फिल्मों से निकली हैं।

खालिद मोहम्मद के लेखन पर श्याम बेनेगल ने नारी प्रधान त्रयी मम्मो, सरदारी बेगम एवं जुबेदा बनाई। जुबेदा (2001) फिल्म का उपशीर्षक है, द स्टोरी ऑफ ए प्रिंसेस। मासूम जुबेदा (करीश्मा कपूर) को परदे पर साकार करती फिल्म दिखाती है, कैसे एक स्त्री को पुरुष सत्ता नचाती है। खूबसूरत जुबेदा आंतरिक संघर्ष से जूझती है और अंतत: अपना जीवन समाप्त करने का मजबूत निर्णय लेती है। श्याम बेनेगल की स्त्रियाँ खूब मजबूत हैं, निर्णय लेने में सक्षम।

सूरज का सातवां घोड़ा धर्मवीर भारती की कहानी पर आधारित है। यह चार कहानियों का एक चक्र है, जिसे केंद्रीय पात्र (रजित कपूर) सुना रहा है एवं चारों चक्र में वह स्वयं नायक है, हर कहानी में अपने प्रति अलग नजरिया रखता है। एक में बालक, एक में किशोर, एक में वयस्क के रूप में खुद को देखता है। आप अचानक पाते हैं, सारी घटनाएं एक साथ चल रही हैं।

फिल्म में यह दिखाना सरल न था, मगर श्याम बेनेगल यह कर दिखाते हैं। उनकी अंतिम फिल्म मुजीब (2003) बांग्लादेश के संस्थापक-राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित है। इस बायोपिक ने खूब ख्याति पाई है। जब वे जमशेदपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में आए थे, आज भी उन्हें देखने की स्मृति है। सिनेमा से सामाजिक मुद्दों पर सकारात्मक हस्तक्षेप करने वाले श्याम बेनेगल को भावभीनी श्रद्धांजलि!

समानांतर सिनेमा की नई धारा शुरू करने वाला प्रयोगधर्मी निर्देशक

14 दिसंबर 1934 में हैदराबाद में जन्में प्रयोगधर्मी सिने-निर्देशक 23 दिसंबर 2024 को गुजर गए। उन्होंने सदैव सामाजिक दायित्व में आम आदमी की भूमिका और उसके हस्तक्षेप के कथानक पर अपनी फिल्में बनाईं। प्रारंभ उन्होंने कॉपी राइटर, एड एजेंसियों में काम करते हुए किया और बाद में 24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 15 एड फिल्म बनाईं। हालांकि, फोटोग्राफी उन्हें विरासत में मिली थी, उनके पिता श्रीधर बी. बेनेगल स्टिल फोटोग्राफी करते थे और श्याम भी बच्चों के फोटो खींचा करते थे। शिक्षण दायित्व भी उन्होंने निभाया, पुणे के फ़िल्म एंड टेलिविजन इंस्ट्यूट ऑफ इंडिया में पढ़ाया।वे अपनी पहली फ़ीचर फ़िल्म 'अंकुर' के अंतिम दृश्य में प्रयोग करते हैं, एक छोटा बच्चा गुस्से और बेबसी में एक पत्थर उठा कर क्रूर-दुष्ट जमींदार की खिड़की पर फ़ेंकता है। कांच टूटता है और बेनेगल की पक्षधरता मूर्तिमान हो जाती है। श्याम बेनेगल ने लगातार प्रयोग किए, कभी नए कलाकारों को लिया, कभी फ़्लैशबैक-फ़्लैशफ़ॉर्वर्ड का तकनीक प्रयोग, कभी छोटी-छोटी पूंजी को सहकारी रूप दे उन्हें निर्माता बनाया ('मंथन'), कभी बिना बैकग्राउंड म्युजिक की फ़िल्म बनाई, फ़िल्म के भीतर फ़िल्म बनाई ('भूमिका'), और कभी एक व्यक्ति से चार भिन्न-भिन्न कथानक एक साथ प्रस्तुत करवाए ('सूरज का सातवाँ घोड़ा')। आज भी दूरदर्शन के प्रसारण 'भारत एक खोज' को लोग याद करते हैं। दो साल की 'होमी भाभा फेलोशिप' के दौरान बच्चों के लिए तथा टीवी के लिए कई काम किए। फिल्म एवं टीवी के चेयरमैन रहे। राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य रहे। उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार और सम्मान मिला। सरकार ने सम्मानित किया। 1976 में पद्मश्री, 1991 में पद्म भूषण, 2005 में दादा साहब फ़ालके सम्मान प्राप्त हुआ। और 8 बार राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार उनकी झोली में आए, अपने-आप में एक रिकॉर्ड! श्याम बेनेगल सत्यजित राय के प्रभाव को स्वीकारते हैं, लिखते हैं, मेरे जैसे फ़िल्म बनाने की महत्वाकांक्षा रखने वाले के लिए, 'पथेर पांचाली' ने संभावनाओं की एक नई दुनिया खोल दी। श्याम बेनेगल ने 1982 में डॉक्यूमेंट्री 'सत्यजित राय' बनाई। इस डॉक्यूमेंट्री का कैमरा गोविंद निहलाणी ने संभाला। बेनेगल राय को आदर्श के सिंहासन पर नहीं बैठाते हैं, यह डॉक्यूमेंट्री एक फ़िल्मकार की नजर से दूसरे फ़िल्मकार को देखना है। वृतचित्र बनने के समय राय अपने प्रथम हृदयाघात से उबर कर स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे, साथ ही 'घरे-बाइरे' एवं 'सद्गति' शूटिंग का मार्ग निर्देशन कर रहे थे। मुख्य रूप से वे राय की कार्यशैली को चित्रित करना चाहते थे, उन्होंने राय को काम करते हुए फ़िल्माया। डॉक्यूमेंट्री में 'महानगर' के अंतिम हिस्से की शूटिंग की क्लिपिंग्स का उपयोग किया। वे राय के विषय में फ़िल्म बना रहे थे, दूसरों की राय में सत्यजित के विषय में नहीं, अत: दूसरों के विचार इसमें नहीं रखे। सत्यजित राय को बोलने का अवसर दिया है। इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रिप्ट आज किताब के रूप में प्रकाशित है। फ़िल्म डिविजन के सहयोग से बनी इस डॉक्यूमेंट्री को 1985 की सर्वोत्तम बॉयोग्राफ़िकल फ़िल्म का पुरस्कार मिला। श्याम बेनेगल ने नेहरू पर भी डॉक्यूमेंट्री बनाई। 'यात्रा' उनकी एक अन्य लोकप्रिय डॉक्यूमेंट्री है। समानांतर सिनेमा का अंग होने के बावजूद श्याम बेनेगल की फ़िल्में दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहीं, बॉक्स-ऑफ़िस पर सफ़ल रहीं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर बालकृष्ण गोयल ने खलासी लाईन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

बालकृष्ण गोयल द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, राष्ट्रीय मानवाधिकार के विशेष मॉनिटर बालकृष्ण गोयल की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में बैठक आहूत की गयी। बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में मानव अधिकार का उल्लंघन न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि मानव अधिकारों का उल्लंघन होने पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यालयों के समीप स्थित बिजली के ट्रांसफार्मरों को हटाने अथवा उन्हें जमीन से ऊपर करने तथा भिक्षावृत्ति को रोकने हेतु रेस्क्यू करने तथा कारखानों से चाइल्ड लेबर मुक्त कराने,काराखानों पर 18 वर्ष से कम आयु के श्रमिकों पर प्रतिबन्ध से सम्बन्धी बोर्ड लगाये जाने के निर्देश दिये गये। इसी के साथ सभी पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने व जनपद में सभी अस्पतालों के बैड की उचित व्यवस्था हो कोई भी व्यक्ति फर्श पर ना मिले तथा झोलाछाप चिकित्सकों विरूद्ध उचित कार्यवाही की जाये तथा सभी क्लीनिकों पर बोर्ड लगाये जाने के निर्देश दिये गये। इससे पूर्व बालकृष्ण गोयल द्वारा खलासी लाईन स्थित आंगनवाड़ी केंद्र, जिला कारागार एवं रैन बसेरों, बालगृह बालिका पुष्पांजलि विहार का निरीक्षण किया गया। आंगनवाडी केन्द्र पर बच्चों को भोजन न मिलने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाडी केन्द्रों का दुरूस्तीकरण करते हुए पंजीकृत बच्चों को चिकित्सीय सहायता तथा भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों का समय-समय पर टीकाकरण कराएं। बच्चों का पैक्ड एवं कुक्ड फूड गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने बच्चों एवं अभिभावकों से कहा कि सभी अपने-अपने बच्चों को मोबाइल नंबर माता-पिता का नाम स्थाई पता अवश्य याद कराएं जिससे कहीं पर भी बच्चों को कठिनाई का सामना न करना पड़े। अध्यापकों के साथ-साथ अभिभावकों का भी पूर्ण दायित्व बनता है कि उनके बच्चे अच्छे शिक्षा ग्रहण करें तथा आगे चलकर देश का नाम रोशन करें। बालगृह (बालिका) में आवासित बालिकाओं की आयुनिर्धारण करते हुए 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को स्थानान्तरित करने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर बाल कृष्ण गोयल द्वारा जिला कारागार का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में पुरुष व महिला बैरकों, रसोईघर का निरीक्षण करते हुए विशेष सफाई एवं बंदियों को मेन्यू के हिसाब से गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इसके पश्चात सदस्य द्वारा पुरुष व महिला बंदियों से जेल में मिलने वाली सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। तत्पश्चात कारागार परिसर व कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के रखरखाव व मुलाकाती रजिस्टर का अवलोकन किया गया। इसके उपरान्त कारागार परिसर में स्थित अस्पताल का निरीक्षण करते हुए दवाईयों की उपलब्धता व ओपीडी आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया गया कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता व लापरवाही न बरती जाये। उन्होने कहा कि 15 दिन में स्वास्थ्य कैंप लगाकर बंदियों के स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराई जाए। उन्होंने जिला कारागार अधीक्षक को निर्देश दिये कि जेल में बंदियों को मिलने वाली सारी सुविधाएं अवश्य उपलब्ध कराएं। शातिर बंदियों पर कडी निगरानी रखे। जेल परिसर के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने पाये, साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान उन्होने निर्देश दिए कि रैन बसेरे में ठहरने वालों के पते के साथ ही उनका आधार नम्बर भी रजिस्टर में अंकित किया जाए। इस अवसर पर एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद ने मदरसे के जिम्मेदारों से मुलाकात कर यहां दी जाने वाली शिक्षा और मदरसे की तारीख के बारे में जाना

राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने देवबंद पहुंचकर इस्लामिक शिक्षण संस्था दारुल उलूम देवबंद का भ्रमण किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, जम्मू-कश्मीर से भाजपा के राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने देवबंद पहुंचकर इस्लामिक शिक्षण संस्था दारुल उलूम देवबंद का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मदरसे के जिम्मेदारों से भी मुलाकात की। भाजपा नेता गुलाम अली खटाना ने मदरसे के अतिथि ग्रह में मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी और नायब मोहतमिम मौलाना अब्दुल खालिक मद्रासी से मुलाकात की और यहां दी जाने वाली शिक्षा और मदरसे की तारीख के बारे में जाना। मदरसे के जिम्मेदारों ने देश की आजादी में दारुल उलूम के अहम किरदार पर रोशनी डाली। इसके उपरांत राज्यसभा सांसद ने लाइब्रेरी का भ्रमण करते हुए यहां रखी सैकड़ों साल पुरानी बेशकीमती किताबों को देखा। साथ ही मस्जिद रशीद समेत अन्य इमारतों को निहारा। इस दौरान गुलाम अली खटाना ने मदरसे में पढ़ने वाले जम्मू कश्मीर के छात्रों से वार्ता भी की। इस मौके पर डा. रेहान अख्तर कासमी, मुफ्ती रिहान कासमी, मौलाना अब्दुल मलिक बिजनौरी आदि मौजूद रहे।

साहिबजादों के शहीदी पर्व पर प्रभातफेरी निकालकर किया शहादत को नमन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, साहिब श्री गुरू गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादे बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी, बाबा फतेह सिंह जी व माता गुजरी जी के शहीदी पर्व गुरूद्वारा श्री गुरु नानक सभा से प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष व नगराध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपाईयों ने भी प्रभात फेरी में शामिल होकर शहीदों को नमन किया प्रभात फेरी गुरूद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, रेलवे रोड़, रेलवे स्टेशन होते हुए गुरूद्वारा साहिब पहुंचकर सम्पन्न हुई। मार्ग में संगत ने गुरवाणी गायन किया। सतनाम वाहेगुरू के जाप से वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रभात फेरी के समापन पर गुरूद्वारा साहिब में संगत को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान दुनिया के लिए मिसाल है। यदि साहिबजादे अपनी कुर्बानी न देते तो आज देश का नक्शा कुछ और ही होना था। गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने सभी का आभार प्रकट किया। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता, सचिन छाबड़ा, चंद्रदीप सिंह, डा. पवन संवई, राजेश अनेजा, डा. सुखपाल सिंह, आलोक खटीक, विवेक तायल, विजय गिरधर, महेंद्र गिरधर, रवि होरा, हर्ष भारती, राजपाल सिंह, देवेंद्रपाल सिंह, राममोहन सैनी, पवन धीमान आदि मौजूद रहे।

अजमल खॉ तिब्बिया कालेज,अलीगढ़ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉक्टर अनवर सईद

जामिया तिब्बिया देवबन्द के चीफ पैट्रर्न डॉ. अनवर सईद अलीगढ़ में हुए सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, अजमल खॉ तिब्बिया कालेज,अलीगढ़ में खेल सप्ताह का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जामिया तिब्बिया देवबन्द के चीफ पैट्रर्न डॉ. अनवर सईद को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस संबंध में डा. अनवर सईद ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अजमल खॉ तिब्बिया कालेज, अलीगढ़ में इस तरह के आयोजन बार-बार होते रहते है। इसमें मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण करना मेरे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जीवन के लिए जहाँ शिक्षा जरूरी है वहीं खेलकूद भी ज़रूरी है। जिससे स्वास्थ बना रहता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा आयुष चिकित्सकों के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही है आयुष चिकित्सकों को इनका लाभ उठाना चाहिये। यह बात पूरे विश्व में स्थापित हो चुकी है कि जटिल एवं पुराने रोगों में आयुष चिकित्सा पद्धति अपना विशेष योगदान रखती है। अत: नौजवान आयुष चिकित्सक पूरे जोश के साथ अपनी पद्धति का चिकित्सा में प्रयोग करें तथा उसी का विस्तार और प्रचार करें। डीन फैकल्टी डा0 उबैदुल्लाह बैग ने भी वर्तमान समय में आयुष चिकित्सा की विभिन्न शाखाओं की प्रासंगिक्ता पर बल दिया। इस अवसर पर अजमल खां तिब्बिया कालेज के प्राचार्य डा0 बदरूदुजा खान ने कहा कि आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हमें कुछ समय निकालकर खेल की तरफ भी ध्यान देना चाहिये। जिससे हमारा स्वास्थ तंदरूस्त रहे और उन्होंने आयुष चिकित्सकों से आग्रह किया कि जिस तरह ऐलोपैथिक वाले अपनी पद्धति को बढ़ावा देते है इसी तरह हमें भी यूनानी पद्धति को बढ़ावा देने के लिये कड़े कदम उठाने चाहिये। जिससे यूनानी का उत्थान हो सकें। अन्य वक्ताओं ने भी यूनानी चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार पर अपने-अपने विचार रखें। कालेज के खेल सप्ताह में शिक्षकों और छात्रो के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट व फुटबाल टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया। क्रिकेट टूर्नामेंट में शिक्षकों की टीम ने बाजी मारी। जिसके कप्तान डा0 अनस थे और फुटबाल टूर्नामेंट में छात्रों की टीम ने बाजी मारी। जिसके कप्तान फाहद अल्ताफ थे। कार्यक्रम का आयोजन अजमल खॉ तिब्बिया कालेज के आडिटोरियम में यूनिवर्सिटी के तराने से आरंभ होकर राष्ट्रगान पर समाप्त हुआ। इस दौरान डॉक्टर रशीद को अनवर सईद उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डा0 दिनेश खतरी डिप्टी सी0 एम0 ओ0, डा0 अजीजुर्रहमान खेल इन्चार्ज आदि उपस्थित रहे।

एमजीएम स्कूल में गत शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने छात्रों को सम्मानित

यशपाल सिंह जाट ।सिटी चीफ
अनूपपुर, एमजीएम स्कूल धनपुरी में विगत वर्षों की भाँति क्रिसमस की छुट्टियों से पहले परम्परानुसार क्रिसमस का त्योहार बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया, जिसमें कक्षा 1 से 6 के छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान ही विद्यालय के नवीन प्राचार्य फादर जोश के वर्गीस ने गत वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को उनके प्रत्यांक के आधार पर प्रथम,द्वितीय, एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं के ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इसी कड़ी में विद्यालय ने इस वर्ष सह-पाठ्यक्रम की प्रतियोगिताएं- हैंडराइटिंग, पोएम, स्टोरी टेलिंग, एसे राइटिंग, रंगोली, पूजा थाली, दिया डेकोरेशन, सलाद प्रतियोगिता, सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य, प्रशोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जिसमे आर्यभट्ट सदन, चरक सदन, रमन सदन एवं भाभा सदन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंकों के आधार पर चरक सदन ने प्रथम, रमन ने द्वितीय एवं आर्यभट्ट सदन ने तृतीय स्थान अर्जित किया।साथ ही खेलकूद एवं प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाले चरक सदन को सर्वश्रेष्ठ सदन के खिताब से सम्मानित कर ट्रॉफी दी गई।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की उपप्रचार्या श्रीमती जॉर्जिना ग्रेस एवं ऐकडेमिक इंचार्ज श्रीमती सुषा जोश ने भी छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें उनकी सफलता के लिए बधाई दी। विद्यालय के प्राचार्य ने भी प्रत्येक छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है ।

इंडिया होटल के नजदीक सरेआम ऑटो चालक की चाकू गोदकर हत्या के दोनों नाबालिक विधि विरूद्ध बालक पुलिस की गिरफ्त में

महज चंद घंटो में ही हत्याकाण्ड का पुलिस अधीक्षक ने किया खुलासा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, गत मंगलवार को कोतवाली थाना अंतर्गत इण्डिया होटल के पास में एक ऑटो चालक युवक की हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है युवक को दो नाबालिगों ने मिलकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी.इस घटना के सामने आने के बाद पुरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने दो विधि विरूद्ध बालकों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने पत्रकार वार्ता में बताया की यह पूरी घटना मंगलवार की है। बस स्टैंड चौकी के इण्डिया होटल के पास कुछ लोगों के विवाद की सूचना मिली। जिसमे लकी उर्फ आनंद गुप्ता पिता प्रमोद गुप्ता उम्र 36 वर्ष निवासी शाहनगर जिला पन्ना की मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपियों के बीच पुराना विवाद था। इस विवाद के बीच नाबालिकों ने चाकू निकाल लिया और लकी पर वार कर उसकी हत्या कर दी। थाना कोतवाली में अप.क्र. 955/2024 धारा 103(1), 3(5) बी.एन.एस का कायम कर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले को गंभीरता को देखते हुये अलग-अलग टीमें बनाकर दोनों विधि विरूद्ध बालक की पतासाजी उनके घर, रेल्वे स्टेशन व अन्य स्थानों पर कराई गई परंतु दोनों विधि विरूद्ध बालक घटना कारित %करने के बाद फरार हो गए थे। दोनों विधि विरूद्ध बालक सिहोरा की तरफ भागे, जिन्हें पुलिस टीम के द्वारा सिहोरा से गिरफ्तार किया गया हैं।

अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन करने पर भालूमाडा पुलिस की कार्यवाही

अनूपपुर, आज दिनाक 25/12/,2024 को मुखबिर द्वारा सूचना पर ग्राम चुकान में चुकान नाला से अवैध उत्खनन कर परिवहन करने की सूचना प्राप्त होने पर थाना भालूमाडा से टीम गठित की जा कर रेड कार्यवाही कर एक नीले रंग का स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर मय ट्राली पकड़ा गया जो ट्रैक्टर चालक धनेश्वर उर्फ राहुल केवट पिता मुन्ना लाल उम्र 19 नि चोंडी थाना भालूमाडा से ट्रेक्टर ट्रॉली रेत के संबंध में दस्तावेज पूछने पर नहीं होना बताया दस्तावेज नहीं होने से अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया। ट्रॉली में 3 घन मीटर अवैध रेत मौके पर पाई गई। जिसे समक्ष गवाहन के मौके पर जप्त किया जाकर थाना भालूमाडा लाया गया। तथा आरोपी वाहन स्वामी लाल जी केवट नि चोंडी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। उक्त अवैध रेत की कार्यवाही में टी आई.राकेश उइके, उ.नि. राघव बागरी, प्र.आर.73 प्रदीप पाण्डेय, प्र.आर.68 सुखेन्द्र सिंह की अहम भूमिका रही।

शाजपुर के अभयपुर में मनाई गई श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी कि 100 वी जन्म जयंती

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, आदर्श ग्राम पंचायत अभयपुर में सुशासन दिवस के उपलक्ष्य पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी कि 100 वी जन्म जयंती मनाई गई उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि श्री खुमान सिंह जी पाटीदार विशेष अतिथि श्री पंडित मनोज जी नागर अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री जितेंद्र जी पटेल की उपस्थिति में मुख्य वक्ता श्री रामदयाल जी पाटीदार ओर श्री जितेंद्र जी पाटीदार श्री रवि जी और श्री नंदकिशोर जी विश्वकर्मा द्वारा श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला और ग्रामीण जनों से श्री अटल जी दिखाए गए मार्ग का अनुशरण करते हुए राष्ट्र निर्माण ओर जन सेवा में अपनी सहभागिता निभाने की निवेदन किया और आभार बुथ अध्यक्ष श्री निर्मल जी पाटीदार ने व्यक्त किया।

फेडरेशन द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन की विवाह पत्रिका का मुहूर्त सम्पन्न

सामूहिक विवाह 11/12 जनवरी 2025 को अक्षत गार्डन इंदौर पर होगा

इंदौर – अ.भा.जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन के तत्वावधान में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जिनेश्वर जैन के निर्देशन में श्वेतांबर जैन समाज के लिए 11 ब 12 जनवरी 2025 को सामूहिक विवाह सम्मेलन का विशाल आयोजन अक्षत गार्डन, इन्दौर पर होगा जिसकी विवाह आमंत्रण पत्रिका लेखन का श्री गणेश आज पार्श्व आरोग्यम मनोरमागंज इंदौर पर एक समारोह में किया। उक्त जानकारी फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सामूहिक विवाह समारोह के मुख्य संयोजक श्री संजय नाहर ने देते हुए बताया कि यह आयोजन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पियूष जैन,श्री राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में होगा। सामूहिक विवाह समारोह की व्यवस्थाओं हेतु श्री प्रभात चोपड़ा और श्री राजेश बूलिया को संयोजक मनोनीत किया गया जिनके साथ ही विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। फेडरेशन के सोश्यल वर्किंग कमेटी के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री पवन चोराडिया ने बताया की सामाजिक समरसता और आपसी साहचार्य के साथ शादी समारोह की सभी रस्मे पूरी की जाएगी। फेडरेशन के महासचिव त्रय वीरेन्द्र नाहर, किरण सिरोलिया, अरिहंत जैन ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन में मेहंदी,महिला संगीत, चाक पूजन,वर वधु जुलूस, जैन विधि से पाणिग्रहण संस्कार किए जायेगे। संयोजक प्रभात चोपड़ा,ओर राजेश बूलिया ने बताया कि सभी नव दंपतियों को गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।इंदौर नगर के फेडरेशन से संबद्धता प्राप्त सभी ग्रुप्स इसमें सक्रिय रूप से जुड़ें हुए हैं। सामूहिक विवाह पत्रिका लेखन समारोह में संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्रकुमार जैन, संरक्षक डॉ नरेंद्र धाकड़, मार्गदर्शक डॉ शरद डोसी,निवृतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र संचेती,मनोज जैन,राजेश जैन,एकता जैन, डा गजेंद्र भंडारी, डा अतुल नाहर,तरुण कीमती,विकास हंडिया,आशीष धारीवाल,नवीन जैन,विजय जैन,राजेंद्र रांका, अखिल चौधरी,रितेश कटकानी,अजीतजी जैन, प्रियंक शाह, प्रमोदजी डफरिया,भरत शाह, अनिलजी जैन, रूपेन्द्र जैन, पुष्पेन्द्र भंडारी,विनोदजी मेहता, अनिलजी चौरड़िया।आदि सम्मिलित हुए। वर वधु पक्ष के अनेक रिश्तेदारों ने भी सहभागिता निभाई। पत्रिका लेखन कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेशनल यूनिटी ग्रुप द्वारा किया गया। आभार कार्याध्यक्ष सी ए नरेंद्र भंडारी ने व्यक्त किया।

जावद नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं मीसा बंदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्रकुमार तिवारी, जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी की गली में नही हुआ सीसी रोड का निर्माण, सडक ठेकेदार बंटी बना ने कहा मुझे कहेंगे तो में बना पाऊंगा

जावद। नगर में गली, मौहल्ले की सडक पर जगह, जगह गड्डे एवं नल की पाईप लाईन से कटर मशीन से खोदी गई रगाड पर नल पाईप ठेकेदार की लापरवाही से भराव सही तरिके से नही भरने के कारण आए दिन दुर्घटना होती थी साथ ही दुर्घटनाए होने का भी अंदेशा रहता था। नगर की जनता ने सौशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया, प्रिंट मीडिया, समाचार पत्रो के माध्यम से मांग की थी सडके शीघ्र ही बनाई जाए ताकी स्कूली बच्चों, नगरवासियों, आमजनो को कोई कठिनाइयों का सामना नही करना पड़े। वर्षो बाद वर्तमान में नगर परिषद द्वारा नगर में सीसी रोड बनवाने का कार्य जारी है जो स्वागत योग्य है। नगर का सुप्रसिद्ध धार्मिक सामाजिक, राजनैतिक साथ ही चौथा स्तम्भ पत्रकारिकता क्षेत्र में अग्रणी रहने वाला वार्ड नम्बर 2 बैंगनपुरा में जावद नगर परिषद सीएमओ जगजीवन शर्मा निवास वाली गली सहित चारो और गलियों की बिते दिवस सीसीरोड का निर्माण हुआ वही सडक ठेकेदार द्वारा बैंगनपुरा की ही मुख्य गली जहां जावद नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं मीसा बंदी वरिष्ठ नेता नरेंद्रकुमार तिवारी, भाजपा नेता सत्यनारायण पांडे अंकल, जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी सहित निवास वाली गली को एकाएक सीसी रोड निर्माण नही हुआ और रोड का निर्माण नही होने पर गलीवासियों में रोष व्याप्त है। जावद नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष, मीसा बंदी नरेंद्रकुमार तिवारी वाली गली में अविलंब सीसी रोड बनाने की मांग जावद एसडीएम राजेश शाह, सीएमओ जगजीवन शर्मा, इंजीनियर बलवंतसिंह ठाकुर सहित सबंधित अधिकारियों से की है, साथ ही एसा क्या कारण है कि सभी जगहो पर सीसीरोड बन गया यह एक मात्र गली में रोड का निर्माण नही हुआ और छोड दी। आपको बतादे कि बैंगनपुरा जहा सीसी रोड का निर्माण नही हुआ यह गली भाजपा समर्पित है और धार्मिक, सामाजिक, राजनेतिक क्षेत्रों में विभिन्न पदो पर रहकर बैखूबी से कार्य किया साथ ही अभी भी कर रहे है। प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी को सडक ठेकेदार बंटी बना ने फोन पर कहा मुझे भी पता है इस गली में सीसी रोड का निर्माण नही हुआ है और मुझे कहेंगे तो में बना पाऊंगा।

पूर्व डीईओ एसके मिश्रा पर भ्रष्टाचार का आरोप

भृत्य ने की कलेक्टर से लेकर कमिश्नर तक शिकायत

दमोह– दमोह जिले के स्कूलों में मरम्मत अनुरक्षण व्यय के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है, कुल 137 स्कूलों के लिए 4 करोड़ 11 लाख रुपए की राशि आई थी। लेकिन इसमें से आधी रकम करीब दो करोड़ रुपया तत्कालीन डीईओ एसके मिश्रा डकार गए हैं। इनके द्वारा किए गए इस भ्रष्टाचार की शिकायत किसी प्राचार्य ने नहीं की हैं, क्योंकि वह भी इनके भ्रष्टाचार में बराबर के सरीक थे। इस महा भ्रष्टाचार का पुलिंदा खोला है तो स्कूल के अंतिम पंक्ति कर्मचारी भृत्य ने, जिसने कलेक्टर से लेकर लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त तक दस्तावेजी साक्ष्यों सहित शिकायत प्रेषित की है। तत्कालीन डीईओ एसके मिश्रा गंगा जमना स्कूल सेटिंग मामले में अपना मुंह काला करवाकर हटाए गए थे, वर्तमान हटा डाइट प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जब दमोह में डीईओ के पदभार पर एसके मिश्रा पदस्थ थे , तब उन्होंने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा लांघ दी थी। शासकीय हाईस्कूल विनती में भृत्य के पद पर पदस्थ राजेंद्र कुमार अवस्थी ने इनका काला चिठ्ठा खोला तो कई आश्चर्यजनक घोटाले सामने आए हैं। आपको बता दें लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 2 अगस्त 2022 को दमोह जिले के 137 स्कूलों की मरम्मत व अनुरक्षण व्यय के लिए 3 लाख रूपए प्रति स्कूल के हिसाब 4 करोड़ 11 लाख रुपए आवंटित किए गए थे। साथ ही उन्हें खर्च करने के लिए आयुक्त अभय वर्मा 26 अक्टूबर 2022 को नियम निर्देशिका जारी की थी। जिसके अनुसार जो भवन पांच साल के भीतर निर्मित हुए हैं, इनमें मात्र बाहरी पुताई की जानी थी। इसके अलावा जो हाईस्कूल स्वयं के भवन में नहीं लग रहे थे वहां भी राशि खर्च नहीं होना थी।

बाहरी पुताई पर खर्च कर दिए 49 लाख पूर्व डीईओ एसके मिश्रा ने प्राचार्यों और स्थानीय भाजपा नेता रूपी ठेकेदारों की मिली भगत से उन स्कूलों में भी बिना कार्य के राशि खर्च होना दर्शाया गया है, जहां केवल बाहरी पुताई होना थी। ऐसे पांच साल के अंदर वाले 18 स्कूल भवन हैं, जिनमें मात्र पुताई होना थी, लेकिन पूरी मरम्मत अनुरक्षण व्यय की राशि प्रति स्कूल 3 लाख रूपए निकालते हुए इन पर 49 लाख 62 हजार 120 रूपए खर्च किए गए हैं। हाईस्कूल फतेहपुर, बेलापुरवा, टोरी, मारूताल, जोरतला खुर्द, उमरी, रजपुरा, सिंगपुर, खमरिया बिजौरा, बनगांव, कुमेरिया, सीतानगर, जेरठ, असलाना, तारादेही, सर्रा, तेंदूखेड़ा व सैलवाड़ा स्कूल शामिल हैं। जहां के प्राचार्य, स्थानीय भाजपा नेता व पूर्व डीईओ एसके मिश्रा के गठजोड़ से राशि हड़पी गई है।

स्वयं के भवन नहीं फिर भी खर्च राशि दमोह जिले में 19 हाईस्कूल भवन ऐसे हैं, जो माध्यमिक स्कूलों में लग रहें हैं यानि स्वयं के भवन नहीं हैं, फिर भी ऐसे स्कूलों में राशि खर्च की गई हैं, जबकि ऐसे स्कूलों में राशि खर्च करने की मनाही थी। ऐसे स्कूलों से 56 लाख 85 हजार 623 रूपए का सीधा घोटाला किया गया हैं, जहां पर एक किलो कलई भी पोतने का खर्च नहीं किया गया है। इस मामले में भी स्थानीय भाजपा नेता, स्कूल प्राचार्य व पूर्व डीईओ एसके मिश्रा की मिली भगत रही हैं। इन स्कूलों हाईस्कूल हिनौती पुतरीघाट, पतलौनी, ससना कला, भटिया, कोटा, बिलाखुर्द, पटेरा, कुड़ई, भैंसा, कलकुआ, विनती, फतेहपुर, वीरदुर्गादास दमोह, आमखेड़ा, आनू, रंजरा, सादपुर, सासा और पौड़ी मानगढ़ शामिल हैं।

सूची में नहीं फिर भी उपकृत पूर्व डीईओ एसके मिश्रा द्वारा नियमों के विपरीत कार्य किए गए हैं, उन्होंने अपने विशेष कृपा पात्र प्राचार्य को लाभ पहुंचाने के लिए उनका स्कूल 137 स्कूलों की सूची में शामिल नहीं था, लेकिन इन्होंने इस 138 वें स्कूल को भी राशि जारी कर दी है। यह निमरमुंडा हाईस्कूल है, जिसके लिए 2 लाख 97 हजार 871 रुपए की राशि जारी की गई।

मप्र में जिला पेंशन कार्यालय बंद करने का विरोध भविष्य में लाखों कर्मचारियों को करना पड़ेगा परेशानी का सामना : राष्ट्रीय कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंगले

बुरहानपुर– राष्ट्रीय कर्मचारी महासंघ एवं मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश के जिलों में संचालित पेंशन कार्यालय बंद करने का विरोध किया है। संगठन द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम बुरहानपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।राष्ट्रीय महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप इंगले ने कहा कि राज्य सरकार इन कार्यालयों को बंद करने का निर्णय ले चुकी है, जो कर्मचारी हित में नहीं है। भविष्य में लाखों कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पडेगा । मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय चौधरी कहते हैं कि इसके दूरगामी परिणाम खतरनाक होंगे। लाखों कर्मचारियों को पेंशन से संबंधित छोटी-छोटी समस्याओं और शिकायतों के लिए भोपाल भागना पड़ेगा। जिससे पेंशनरों को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक कष्ट होगा।चौधरी कहते हैं कि 60 और 62 वर्ष से अधिक उम्र के रिटायर कर्मचारियों को पेंशन मिलती है। कुछ कर्मचारी तो ऐसे भी हैं, जो 90 साल के हो गए हैं। वे शारीरिक रूप से कमजोर हो चुके हैं। इनमें से कुछ के परिवार में लाने-ले जाने के लिए तरुणाई भी है, लेकिन कुछ के बच्चे बाहर जा चुके हैं। ऐसे में उन्हें कोई समस्या होती है, तो वे पड़ोसी या पहचान वालों के साथ जिले में ही पेंशन कार्यालय तक पहुंच जाते हैं और उनकी समस्या हल हो जाती है। जिले के कार्यालय बंद होने पर उन्हें भोपाल आना पड़ेगा और प्रदेश के अंतिम छोर के जिले से भोपाल लाने के लिए उनके पास कोई नहीं होगा। ऐसे में जीवन के अंतिम दौर में उन्हें तकलीफ के अलावा कुछ नहीं होगा। समस्या बड़ी हुई और उसका समाधान नहीं हुआ, तो संभव है उन्हें पेंशन मिलना भी बंद हो जाए, ऐसे में जीवनभर शासन को सेवा देने वाला कर्मचारी बुढ़ापे में अपनी क्षुधा मिटाने के लिए दर-दर भटकेगा। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय सचिव ने कहा यह तुगलकी आदेश है वयोवृद्ध कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आर्थिक मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताडित करने के अलावा कुछ नहीं है यह आदेश कर्मचारी हित में शीघ्र निरस्त होमध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के संजयसिंह गेहलोत ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जिला पेंशन कार्यालयों को बंद नहीं करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए इन कार्यालयों को बंद करने का निर्णय वापस ले।पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अताउल्ला खान ने कहा की पेंशन कार्यालय के केंद्रीय करण को निरस्त नहीं किया तो सभी संगठन एवं कर्मचारी मिलकर विशाल धरना प्रदर्शन करेंगे ज्ञापन मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष देवीदास विश्वकर्मा के नेतृत्व में दिया गया

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर ग्राम पंचायत कायथा में कार्यक्रम का आयोजन

तराना– जनपद पंचायत तराना की ग्राम पंचायत कायथा में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जन्म जयंती पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा ?437 करोड़ से अधिक की लागत के नव स्वीकृत 1153 अटल ग्राम सुशासन भवन के भूमिपूजन एवं सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रथम किस्त की राशि के अंतरण में सहभागिता की। इस अवसर पर ग्रामीण ज़िलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुण्डला एवं उज्जैन ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुँवर कायथा ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह सिसोदिया, कायथा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोक पाटीदार जनपद सदस्य संदीप और भी अनेक भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे

थाना खकनार को मिली बडी उच्च सफलता अवैध हथियार तस्करो को किया गया हथियार के जखीरे के साथ गिरफ्तार

08 अवैध देशी पिस्टिल, 06 अर्धनिर्मित पिस्टल, 05 पिस्टल सांचे, 09 मैगजीन, 03 मैगजीन सांचे एवं हथियार बनाने का सामान कुल मश्रुका किमती206750/-जप्त

बुरहानपुर बुरहानपुर,,खकनार पुलिस व्दारा अवैध पिस्टल निर्माण कर रहे कारखाने पर दी गई दबीश, मौके से 03 आरोपी मय हथियार एवं सामग्री के गिरफ्तार आरोपी प्यारसिंग पिता सरदार सिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम गारी थाना बिस्टान जिला खरगोन के विरूद्ध पूर्व में भी थाना भगवानपुर, थाना बिस्टान जिला खरगोन में 02 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपी प्यारसिंग पिता सरदार थाना बिस्टान जिला खरगोन के अपराध क्रमांक 168/2024 धारा 25(1) आर्म्स एक्ट में फरार होकर ग्राम पाचोरी में अवैध हथियार बनाने का काम कर रहा था।आरोपी हरविन्दर पिता हरबनसिंग जुनेजा सिकलीगर उम्र 21 साल निवासी ग्राम पाचोरी के विरूद्ध थाना खकनार में पूर्व में अपराध क्रमांक 684/2023 धारा 25 (क्र-1) (ड्ड) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध है। प्रकरण में कुल 06 हस्तनिर्मित पिस्टल जप्त किया गया था।पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर देवेन्द्र कुमार पाटीदार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध हथियार निर्माण, क्रय-विक्रय, परिवहन करने वाले आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी नेपानगर निर्भय सिंह अलावा के मार्गदर्शन में थाना खकनार पुलिस को अवैध हथियार निर्माण करने वाले सिकलीगरो को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।

दिनांक 24/12/2024 को थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक जाधव को मुखबीर की सूचना प्राप्त हुई की ग्राम पाचोरी में स्कूल के पास एक टपरी में अवैध हथियार निर्माण का काम चल रहा है सूचना पर थाना खकनार पुलिस व्दारा एक प्रायवेट वाहन में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक जाधव हमराह 02 उप निरीक्षक, 05 सहा. उप निरीक्षक, 05 प्रधान आरक्षक, 06 आरक्षक एवं 03 महिला आरक्षक के उक्त वाहन से ग्राम पाचोरी स्कूल के पास पहुंचे । वाहन से उतरकर मुखबीर व्दारा बताये स्थान पर पहुंचकर खुले टपरी को चारो तरफ से घेरा जिसमें 03 व्यक्ति औजारो से अवैध हथियार बनाते दिखे। जिन्हे फोर्स की मदद से पकडा जिनका नाम पता पूछते 01.प्यारसिंग पिता सरदार सिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम गारी थाना बिस्टान जिला खरगोन*, 02.हरविन्दर पिता हरबनसिंग जुनेजा सिकलीगर उम्र 21 साल निवासी ग्राम पाचोरी*, 03. विधि विरूद्ध बालक निवासी पाचोरी का होना बताया गया। आरोपी हरविंदर पिता हरबनसिंह के कब्जे से 03 हस्तनिर्मित पिस्टल, 02 अर्धनिर्मित पिस्टल, 03 पिस्टल के सांचे, 04 मैगजीन, 01 मेगजीन का सांचा एवं हथियार बनाने का औजार जप्त किया गया। आरोपी प्यारसिंग पिता सरदार सिंह के कब्जे से 04 हस्तिनिर्मित पिस्टल, 04 अर्धनिर्मित पिस्टल, 02 पिस्टल सांचे, 05 मैगजीन, 01 मैगजीन सांचा तथा हथियार बनाने का औजार जप्त किया गया। आरोपी लखविंदरसिंह पिता हरबन सिंह जुनैजा के कब्जे से 01 हस्तनिर्मित पिस्टल जप्त किया गया। घटना स्थल से अन्य हथियार बनाने के सामग्री जप्त किये गये। कुल मश्रुका किमती 206750/- की जप्त की गई। बाद गिरफ्तार शुदा आरोपियो एवं जप्त सामग्री के थाना वापस पर अपराध क्रमांक 699/2024 धारा 25 (1-क्र) (ड्ड), 25(1ॅ) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया गया ।प्रकरण में संगठित अपराध की धारा 111 ब्नहरू का इजाफा किया गया 7आरोपी हरविन्दर पिता हरबनसिंग जुनेजा सिकलीगर उम्र 21 साल निवासी ग्राम पाचोरी का पूर्व में थाना खकनार पर अपराध क्रमांक 684/2023 धारा 25 (क्र-1) (ड्ड) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध है। उक्त प्रकरण में 06 हस्त निर्मित पिस्टल एवं हथियार बनाने का सामान जप्त किया गया था।आरोपी प्यारसिंग पिता सरदार सिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम गारी थाना बिस्टान जिला खरगोन आरोपी प्यारसिंग के विरुद्ध धारा नसरुल्लाह गंज जिला सीहोर में अपराध क्रमांक 418/19 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध है थाना भगवानपुरा में अपराध क्रमांक 252/2010 धारा 25(1) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध है। उक्त प्रकरण में आरोपी से 03 हस्तिनिर्मित देशी कट्टे एवं हथियार बनाने का सामग्री जप्त किया गया था। प्रकरण में आरोपी को न्यायालय व्दारा 01 वर्ष कारावास एवं 500/- अर्थदण्ड किया गया है व थाना बिस्टान जिला खरगोन में अपराध क्रं 168/2024 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध है। उक्त प्रकरण में 14 देशी कट्टे एवं 23 पिस्टल एक मोटर सायकल जप्त की गई। तथा आरोपी प्यारसिंग के घर के पीछे से हथियार बनाने का सामान एवं 03 पिस्टल जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपी प्यारसिंह फरार चाल रहा था आरोपी01प्यारसिंग पिता सरदार सिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम गारी थाना बिस्टान जिला खरगोन 02.हरविन्दर पिता हरबनसिंग जुनेजा सिकलीगर उम्र 21 साल निवासी ग्राम पाचोरी 03.विधि विरूद्ध बालक निवासी पाचोरी थाना खकनार जप्त समाग्री 08 अवैध देशी पिस्टिल, 06 अर्धनिर्मित पिस्टल, 05 पिस्टल सांचे, 09 मैगजीन, 03 मैगजीन सांचे एवं हथियार बनाने का सामान कुल मश्रुका किमती 206750/- महत्वपूर्ण भूमिका निरीक्षक अभिषेक जाधव, उनि शिवपाल सरयाम, उनि रामेश्वर बकोरिया, सउनि अशोक चौहान, सउनि अमित हनोतिया, सउनि तारक अली, सउनि प्रेमलाल पाल, सउनि महेन्द्र कुसमाकर एवं स्टाफ थाना कोतवाली की सराहनीय भूमिका रही ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आयोजित किया बाल सम्मेलन व पथ संचलन

दमोह। सनातन धर्म के बाल वीर योद्धा चार साहिबजादो द्वारा धर्म की रक्षा के लिए शीश न झुकाते हुए अपने प्राणों के बलिदान कर देने की ऐतिहासिक घटना की याद में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नगर के कानेक्टर भवन संघ कार्यालय में बाल सम्मेलन व पथ संचलन का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में अंताक्षरी, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सनातन संस्कृति की जानकारी बाल पीढ़ी तक पहुंचाई गई. प्रश्नोत्तरी में रामचरित मानस व महाभारत जैसे महाकाव्यों से प्रश्नों को लिया गया.जिसमें बाल स्वयं सेवकों की पूर्ण सहभागिता रही.

पथ संचालन के लिए निकले बाल स्वयं सेवक कार्यक्रम के अगले चरण में बाल स्वयंसेवकों के साथ पथ संचलन किया गया. बड़ी संख्या में बाल स्वयं सेवकों के साथ शुरू हुआ संचलन नगर के विभिन्न मार्गों धगट चौराहा, विंदन चौराहा, घंटाघर, राय चौराह होते हुए आशीर्वाद गर्दन पलंदी चौराहा में पूर्ण हुआ. जिसके पश्चात कार्यक्रम के बौद्धिक वक्ता के रूप में लक्ष्मण ने विभिन्न प्रकार की बाल योद्धाओं की जीवन की अनेक घटनाओं का वर्णन करते हुए संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार, छत्रपति शिवाजी महाराज व चार साहिबजादे, गुरु गोविंद सिंह जैसे वीर योद्धाओं का जीवन चरित्र बताया. उन्होंने बताया कि वजीर खां ने छोटे साहिबजादे, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह तथा माता गुजरी जी को पूस महीने की तेज सर्द रातों में तकलीफ देने के लिए ठंडे बुर्ज में कैद कर दिया. यह चारों ओर से खुला और उंचा था. इस ठंडे बुर्ज से ही माता गुजरी जी ने छोटे साहिबजादों को लगातार तीन दिन धर्म की रक्षा के लिए शीश न झुकाने और धर्म न बदलने का पाठ पढ़ाया था. यही शिक्षा देकर माता गुजरी जी साहिबजादों को नवाब वजीर खान की कचहरी में भेजती रहीं. बाल आयु के साहिबजादों ने न तो नवाब वजीर खां के आगे शीश झुकाया और न ही धर्म बदला. इससे गुस्साए वजीर खान ने दोनों साहिबजादों को जिंदा दीवार में चिनवा दिया था. जब छोटे साहिबजादों की बलिदान की सूचना माता गुजरी जी को ठंडे बुर्ज में मिली तो उन्होंने भी शरीर त्याग दिया. आयोजन के दौरान मुख्य रूप से नगर संघ चालक डॉ विक्रांत सिंह चौहान, विभाग शारीरिक प्रमुख लक्ष्मण लोधी, सुरेन्द्र करोसिया नगर कार्यवाह,दीपेश उपाध्याय जिला सह शारिरिक प्रमुख,विक्रम साहू प्रचार प्रमुख,रिंकेश साहू,जागेश्वर रजक नगर शारिरिक प्रमुख,भारतेन्दु नगर प्रचारक,नगर बालकाल प्रमुख धर्मेंद्र जू देव,अभिनव यादव,स्वरूप, मुकेश साहू, गुड्डा पाल, योगेश चौरसिया मौजूद रहे.

भाजपा मंडल मल्हारगढ़ द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल जी की जन्म जयंती मनाई गई

हमें अटल जी के बताए हुए मार्ग पर चलना है-राठौर

मल्हारगढ़- भारतीय जनता पार्टी के पित्र पुरुष भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म जयंती शताब्दी वर्ष 25 दिसंबर 2024 को भारतीय जनता पार्टी मल्हारगढ़ मंडल के द्वारा सुशासन के रूप में सभी कार्यकर्ता रामबोला मंदिर मल्हारगढ़ से प्रधानमंत्री सड़क से पैदल यात्रा करते हुए ग्राम पंचायत खेर खेड़ा पहुंचे हैं वहां पर गुर्जर समाज की धर्मशाला में पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी की चित्र पर माल्यार्पण कर अगरबत्ती लगाकर दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मध्य प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक मदनलाल राठौर ने किया कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व मंडी अध्यक्ष सुरेश रूपरा नारायणगढ़ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट मल्हारगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष विजयवर्गी मल्हारगढ़ नगर परिषद उपाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति नारायण नगर परिषद उपाध्यक्ष वीरेंद्र रूपरा किसान मोर्चा मल्हारगढ़ मंडल अध्यक्ष बाबूलाल ढाका मंडल भाजपा महामंत्री नीरज जोशी डॉक्टर मुकेश मालवी मंचासिंन थे सभी अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय ने फूलमाला पहनाकर भाजपा का दुपट्टा उड़ा कर किया उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मदनलाल राठौर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यह तीसरा जन्म है पहले जनसंघ की स्थापना हुई पंडित अटल बिहारी वाजपेई जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और वह बहुत ही प्रखर राष्ट्रवादी राष्ट्र चिंतक कवि और जनसंघ के उसे समय के चमकते हुए सितारे थे आपका जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ आपकी पढ़ाई ग्वालियर में हुई और उसके बाद आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए और संघ से जुड़ने के बाद में जंनसझ में आपका प्रवेश हुआ और पूरे देश के अंदर जंनसघ को स्थापित करने में अपना पूरा योगदान दिया आपको संसद में कई बार सर्वश्रेष्ठ संसद की उपाधि प्राप्त हुई आपको अनेक पुरस्कार मिले आप संसद में विपक्ष के नेता भी रहे 1975 में देश में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर संविधान का गलाघोटा हजारों लाखों कार्यकर्ताओं को विपक्ष के नेताओं को आरएसएस के कार्यकर्ताओं को जेल में बंद कर दिया और 19 महीने तक जेल में बंद रखा उसके बाद में आपातकाल हटे और जब चुनाव की घोषणा हुई तब जनसंघ सहित सभी वी पक्षी दलो ने मिलकर जनता पार्टी का गठन किया और मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में 1977 में आप विदेश मंत्री बनाया उसके बाद में जनता पार्टी के दूसरे घटक दलों ने जन संघ के नेताओं पर आरोप लगाया कि वह या तो आरएसएस के सदस्य रहे या जनता पार्टी के सदस्य हैं इस बात को लेकर जनसंघ ने जनता पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी का भाजपा का गठन 1980 में हुआ तो आप उसके प्रथम अध्यक्ष बने और आपने तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे 13 दिन 13 महीने और 5 साल अपने भारत में प्रथम गठबंधन की सरकार चलाई वह भी 24 दलों की अपने पोखरण में बम विस्फोट कर देश को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया कारगिल के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटाई भारत को विजय दिलवाई ऐसे हमारे महान अटल बिहारी वाजपेई जी के बताए हुए मार्ग पर पर हमें सभी कार्यकर्ताओं को चलना चाहिए और उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए जब देश में भाजपा की मोदी जी के सरकार बनी तब पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी को 1915 में देश का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न से आपको सम्मानित किया गया कार्यक्रम को पूर्व मंडी अध्यक्ष सुरेश रूपरा पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट ने भी संबोधित किया और अटल जी के जीवन पर प्रकाश डाला स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष आशीष विजय वर्गीय ने दिया और कहा कि आज हम अटल जी की जन्म शताब्दी जयंती मना रहे हैं मंडल के चुनाव के बाद में यह मंडल की पहली बैठक है सभी का मैं आपका स्वागत अभिनंदन करता हूं और हम सब मिलकर पार्टी को ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे इस अवसर पर यह थे उपस्थित भाजपा के जिला मंत्री एवं बरखेड़ा देव ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि कृष्ण पाल सिंह शक्तावत मंडल उपाध्यक्ष कमल सिंह शक्तावत सम्राट गहलोत मनीष चौहान नगर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भगत राम राठौर मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र भाजपा चिकित्सा प्रकाश संयोजक डॉक्टर योगेश कच्छावा नगर परिषद में सभापति खुमान सिंह सोलंकी सभापति प्रतिनिधि हरिकृष्ण बटवाल दीनदयाल माली जितेंद्र अटवाल हरीश साहू बूथ अध्यक्ष डॉ जितेंद्र गहलोत बबलू राठौर सुजानमाल राठौर धर्मेंद्र जोशी सुनील सुथार राजेश दायमा प्रताप सिंह सोलंकी प्रकाश जोशी पूर्व सरपंच दयानंद दीघा पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बंटी डिगा उमाशंकर नागदा गोपाल पाटीदार अशोक पाटीदार कैलाश शर्मा विजय भाणेज शंभू लाल सुथार सरपंच मुकेश लोहार सरपंच राजकुमार डाबी उप सरपंच लोकपाल सिंह चौहान उपसरपंच सुंदरलाल सेन संजय यति एडवोकेट अरविंद पाटीदार आईटी सेल प्रमुख राहुल पाटीदार भाजपा नेता एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश माली राजेश कारपेंटर मीडिया प्रभारी भाजपा मंडल मल्हारगढ़ किसान मोर्चा सरपंच विनोद गुर्जर सरपंच जीवन सिंह प्रवीण सिंह राजपूत सरपंच जीवन सिंह शिवराम गुर्जर देवी सिंह कचनारा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष कमलेश सौम्या शालू सिंह चंदेल विकास राठौड़ युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रविराज सिंह युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री कृष्णकांत सेन जितेंद्र लाल नितिन दिक्षित फूलचंद परिहार बंसीलाल मालवीय राजेश वालावत अविनाश भागरिया संजय यती भाजपा मंडल मीडिय प्रभारी पूर्व पार्षद मोहन सेन कच्छावा किसान मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष रमेश चौधरी सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री नीरज जोशी ने किया एवं आभार मंडल महामंत्री डॉ मुकेश मालवीय ने माना

तराना में 1 जनवरी से सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन

तराना तराना नगर में 1 जनवरी 2025 से श्रीमद् भागवत महापुराण की सप्त दिवसीय कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन स्थानीय अंजनीलाल हनुमान मंदिर, छत्रीबाग में होगा। कथा का वाचन मालवा माटी के प्रसिद्ध संत एवं भागवत प्रवक्ता पं. श्री अर्जुन गौतम के मुखारविंद से होगा। यह कथा दिनांक 1 जनवरी से 7 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1ः00 बजे से 4ः00 बजे तक होगी। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा, जो भगवान श्री कृष्ण के जीवन और उनके अद्वितीय उपदेशों का वाचन करती है, एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन माना जाता है। इस कथा के माध्यम से श्रोताओं को भगवान श्री कृष्ण के जीवन के महत्व, भक्ति के मार्ग, और मानव जीवन के उद्देश्य को समझने का अवसर मिलेगा। आयोजक समिति, श्रीमद् भागवत कथा भक्त मंडल ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है और स्थानीय जनता से अपील की है कि वे इस दिव्य कथा में भाग लें और धर्म लाभ प्राप्त करें। समिति ने विशेष रूप से तराना नगर तथा आसपास के क्षेत्रों के धर्मप्रेमियों से अनुरोध किया है कि वे इस आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं। दरअसल यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भावना को बढ़ावा देने का भी एक बड़ा अवसर है। आयोजकों ने इस कथा के माध्यम से तराना के लोगों को एकजुट करने, उन्हें धार्मिक मार्ग पर प्रेरित करने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का संकल्प लिया है। कथा के दौरान विभिन्न धार्मिक गीतों, भजनों और शास्त्रों के वाचन के साथ-साथ भक्तों को श्री कृष्ण के जीवन के प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से जीवन में सच्ची भक्ति और धर्म का पालन करने की शिक्षा दी जाएगी। वहीं समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से आग्रह किया है कि वे समय से पहले मंदिर पहुंचकर कथा में भाग लें और इस पुण्य कार्य में सहयोग करें।

मेयर भार्गव, कलेक्टर सिंह और कमिश्नर वर्मा की सक्रियता से दर्ज हुई एफआईआर

इंदौर नगर निगम के कर्मचारियों पर प्राणघातक हमला करने वालों पर आखिरकार एफआईआर दर्ज हो गई है। इसके लिए मेयर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह और निगम कमिश्नर शिवम वर्मा की सक्रियता के चलते एफआईआर दर्ज हो पाई है। कार्रवाई के बाद तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि किस तरह कितनी बेहरहमी से निगमकर्मियों की सुताई की गई है। इसमें निगमकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटाई की गई और गाली-गलौज करते कुछ लोग सुनाई दे रहे है। ये लोग हाथों में डंडे लिए निगम की टीम पर हमले करने से बाज नहीं आए। ऐसे में निगम की टीम का मनोबल न गिर जाए, इसलिए मेयर, कलेक्टर व कमिश्नर की सक्रियता के चलते एफआईआर दर्ज की गई। बुरी तरह से दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की गई नगर निगम की टीम पशुपालकों का अवैध बाड़ा तोड़ने गए थे। इसके बाद निगम की टीम पर हमला हो गया और उनकी बुरी तरह से दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की गई। मामले में जब निगम की टीम थाने पहुंचीं तो उसपर पहले से ही कुछ लोगों का कब्जा था और वो निगमकर्मियों को खुले आम गाली-गलौज करते सुनाई दे रहे थे। इसके बाद शाम तक चले संघर्ष के बाद आखिरकार निगम की ओर से एफआईआर दर्ज ...आखिरकार दर्ज हुई एफआईआर इस पूरे घटनाक्रम के बाद निगम के मुख्यालय मेयर पुष्यमित्र भार्गव की बात करें या फिर कलेक्टर आशीष सिंह की। या फिर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा की। निगम की टीम पर हमला हुआ तो कोई कैसे बर्दाश करता। क्योंकि निगम का काम ही शहर हित में काम करना है। ऐसे में कर्मचारियों का मनोबल धीरे-धीरे टूटने लगा था, जिसके बाद मेयर भार्गव ने मोर्चा संभाला और दोषियों पर कठोर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। आखिरकार निगमकर्मियों के साथ मारपीट करने वालों पर एफआईआर दर्ज हो गई, जबकि कुछ अज्ञात है, जिनकी तलाश पुलिस कर रही हैं।

चीन ने 10 लाख ड्रोन बनाने का दिया ऑर्डर, दुनिया की बढ़ी चिंता

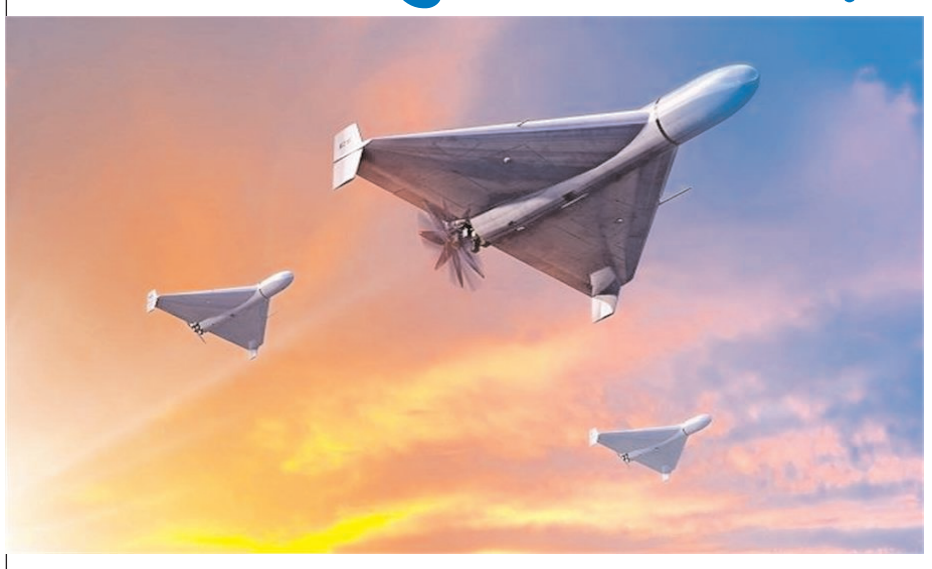

इंटरनेशनल डेस्क। ड्रोन्स का इस्तेमाल आज के युद्धक्षेत्रों में बड़ा बदलाव ला रहा है। सस्ते और आसानी से हथियारों में बदलने वाले ड्रोन्स का उपयोग यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब चीन ने भी अपनी सेना को और मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण का फैसला किया है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) ने घरेलू कंपनी पॉली टेक्नोलॉजी को 10 लाख ड्रोन बनाने का ऑर्डर दिया है। यह ड्रोन 2026 तक तैयार किए जाएंगे।

भारत समेत पड़ोसी देशों की बढ़ी चिंता

चीन के इस कदम से दुनिया भर की महाशक्तियां सतर्क हो गई हैं। भारत जो चीन का पड़ोसी है के लिए यह फैसला चिंता का कारण है। चीन के ड्रोन्स के इस्तेमाल को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि ये ताइवान जैसे क्षेत्रों में हमले के लिए उपयोग किए जा सकते हैं।

रूस भी ड्रोन निर्माण में पीछे नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार रूस हर महीने 40,000 ड्रोन बना रहा है। इसके साथ ही एफपीवी ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के लिए प्रति माह 5,000 यूनिट का उत्पादन किया जा रहा है। रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने बताया कि नागरिक निर्माताओं की मदद से ड्रोन उत्पादन को तेजी से बढ़ाया गया है।

अमरीका ने ताइवान को दिए उन्नत ड्रोन

चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमरीका ने भी ताइवान को ड्रोन देने का फैसला किया है। इन ड्रोन को हेलस्केप नाम दिया गया है। यह ड्रोन हमले की स्थिति में ताइवान को समय पर जवाबी कार्रवाई का मौका देंगे।

ड्रोन युद्ध में नया मोड़

ड्रोन्स का बढ़ता उपयोग आधुनिक युद्ध का चेहरा बदल रहा है। ये न केवल कम लागत में दुश्मन को नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं बल्कि इनका इस्तेमाल खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हमलों के लिए भी किया जा रहा है। चीन, रूस और अमरीका जैसे देशों द्वारा बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण और उनका उपयोग यह संकेत देता है कि भविष्य के युद्ध में ड्रोन्स अहम भूमिका निभाएंगे।

भारत और दुनिया को चीन के इस कदम पर नज़र रखनी होगी क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर ड्रोन निर्माण किसी बड़ी रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर दागी 70 से अधिक मिसाइलें और 100 ड्रोन

जेलेंस्की बोले- क्रूर पुतिन ने जानबूझकर क्रिसमस पर किया हमला

इंटरनेशनल डेस्क। रूस ने क्रिसमस के मौके पर यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें 70 से अधिक मिसाइल और 100 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इन हमलों में छह लोग घायल हुए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस हमले को अमानवीय करार दिया और आरोप लगाया कि क्रूर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जानबूझकर क्रिसमस के दिन को चुना, ताकि यूक्रेन में तबाही मचाई जा सके।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाते हुए खार्कीव और कीव समेत कई इलाकों में ब्लैकआउट कर दिया। खार्कीव में तापमान शून्य के करीब पहुंच चुका है, और पांच लाख से अधिक लोग बिना हीटिंग सुविधा के रह रहे हैं। कीव समेत कई इलाकों में लोग क्रिसमस की सुबह मेट्रो स्टेशनों में शरण लेने को मजबूर हुए। यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि उसने रूस की 59 मिसाइलों और 54 ड्रोन को मार गिराया। हालांकि, रूसी हमलों ने यूक्रेन के थर्मल पावर प्लांट को भारी क्षति पहुंचाई है, जिससे बिजली आपूर्ति और हीटिंग सेवाएं ठप हो गईं। ऊर्जा मंत्री जर्मन गैलुशेंको ने बताया कि रूस का यह हमला यूक्रेन के पावर ग्रिड पर इस साल का 13वां हमला है, जिसने देश की लगभग आधी उत्पादन क्षमता को नुकसान पहुंचाया है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि रूसी मिसाइलें मोल्दोवन और रोमानियाई हवाई क्षेत्र से होकर गुजरीं, जिससे यह हमला अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन गया। अमेरिकी राजदूत ब्रिजेट ब्रिंक ने इसे रूस द्वारा यूक्रेन को क्रिसमस उपहार कहकर निंदा की और इसे घृणित कृत्य बताया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला पुतिन की सर्दियों को हथियार बनाने की रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, क्रिसमस के दिन हमला करके रूस ने अपनी अमानवीयता का परिचय दिया है। रूस की ओर से इस हमले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के बाद ईसाई निशाने पर

क्रिसमस के दिन उपद्रवियों ने 17 घर फूंक डाले

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश के बंदरबन जिले के लामा क्षेत्र में ईसाई समुदाय पर अब तक का सबसे बड़ा हमला हुआ। उपद्रवियों ने त्रिपुरा समुदाय के 17 घरों को आग के हवाले कर दिया। यह घटना 25 दिसंबर की सुबह हुई, जब गांव के लोग क्रिसमस मनाने के लिए पड़ोसी गांव में प्रार्थना करने गए हुए थे। टोंगजिरी क्षेत्र के न्यू बेटाचरा पारा गांव में ईसाई समुदाय के लोग रहते हैं। गांव में चर्च न होने की वजह से सभी लोग क्रिसमस की प्रार्थना के लिए दूसरे गांव गए हुए थे। इसी दौरान उपद्रवियों ने मौके का फायदा उठाते हुए सुबह-सुबह गांव में आकर घरों में आग लगा दी।

इस हमले में 19 में से 17 घर पूरी तरह से जलकर खाक हो गए। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में गांव के लोगों का 15 लाख टका से अधिक का नुकसान हुआ है।

पहले भी मिली थी धमकी

गांव के लोगों ने बताया कि यह हमला अचानक नहीं हुआ। 17 नवंबर को उपद्रवियों ने इन्हें गांव खाली करने की धमकी दी थी। गंगा मणि त्रिपुरा नाम के व्यक्ति ने इस धमकी के खिलाफ लामा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में 15 लोगों का नाम शामिल था, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

पीड़ितों की हालत

हमले के बाद अब गांव के सभी परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। पीड़ित गुंगामणि त्रिपुरा ने कहा, हमारे घर पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। हमने कुछ भी नहीं बचा पाया। अब हमारे पास सिर छिपाने के लिए भी जगह नहीं है।

प्रशासन की चुप्पी

पीड़ितों के अनुसार, इस घटना के बावजूद प्रशासन और पुलिस ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया है। पहले से धमकी मिलने और एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जिससे लोगों में गुस्सा और डर दोनों बढ़ गए हैं।

धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमले

यह घटना बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार का हिस्सा है। पहले जहां हिंदू समुदाय पर हमले हो रहे थे,

पीलीभीत में मारे गए खालिस्तानी आतंकियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा, जांच जारी

नेशनल डेस्क. उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मारे गए तीन खालिस्तानी आतंकवादियों का लंदन से गहरा संबंध सामने आया है। खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के इन आतंकियों को मदद देने के लिए लंदन से कॉल आई थी। इस कॉल में एक स्थानीय युवक से आतंकियों की मदद करने को कहा गया था। जांच में यह भी पता चला है कि कॉल करने वाला व्यक्ति कुछ साल पहले तक ग्रीस में था और अब लंदन में रह रहा है। इस घटना से खालिस्तानी आतंकवादियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो भारत में अपने कृत्य को अंजाम देने के लिए विदेशी धरती से समर्थन प्राप्त कर रहे हैं। वहां की पुलिस ने सीसीटीवी में दिख रहे युवकों को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ में खुलासा हुआ है कि नेट कॉल के जरिए आतंकियों की मदद करने को कहा गया था। सोमवार यानि की 23 दिसंबर की सुबह पंजाब पुलिस और यूपी पुलिस ने इक्ट्ठे कार्यवाही करते हुए खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकियों को

एनकांउटर में मार गिराया था। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया था। इन तीनों आतंकियों की पहचान वीरेंदर सिंह उर्फ रवि (23), गुरविंदर सिंह (25) और जशनप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह (18) के रूप में हुई है।

चुनाव को लेकर अदालत के फैसले के बाद भड़की हिंसा में 21 लोगों की मौत

मोजाम्बिक. मोजाम्बिक के सुप्रीम कोर्ट द्वारा सत्तारूढ़ फ्रीलीमो पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डेनियल चैपो को नौ अक्टूबर को हुए विवादित चुनावों का विजेता घोषित किए जाने पर वहां हिंसा भड़क गई, जिसमें पुलिस के दो अधिकारियों सहित कम से कम 21 लोग मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मोजाम्बिक के गृह मंत्री पास्कोल रोंडा ने मंगलवार देर रात मापुतो में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एक दिन पहले अदालत की घोषणा के बाद हिंसा और लूटपाट शुरू हो गई।

उन्होंने कहा कि चैपो के निकटतम प्रतिद्वंदी और चुनाव में हार गए उम्मीदवार वेनांसियो मोंडलेन के युवा समर्थकों ने इस हिंसा का नेतृत्व किया। इस चुनाव में चैपो को 65 प्रतिशत मत मिले जबकि मोंडलेन को 24 प्रतिशत ही वोट मिल सके। रोंडा ने कहा, ''प्रारंभिक सर्वेक्षण से पता चला है कि पिछले 24 घंटे में पूरे राष्ट्र में हिंसा की 236 घटनाएं दर्ज की गईं। इन हिंसा में पुलिस के दो कर्मियों समेत 21 लेगों की मौत हुई।%% उन्होंने कहा कि इसमें 13 नागरिक और पुलिस के 12 कर्मी घायल हुए हैं। रोंडा ने बताया कि पुलिस के दो वाहनों समेत कुल 25 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि 11 पुलिस चौकियों तथा एक कारागार पर हमला कर वहां तोड़फोड़ की गई और 86 कैदियों को छुड़ा लिया गया। मोंडलेन ने शुक्रवार से 'बंद% का आह्वान किया है, लेकिन देश में हिंसा पहले ही बढ़ चुकी है और मंगलवार रात को राजधानी में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। देश के निर्वाचन निकाय द्वारा प्रारंभिक परिणाम घोषित किये जाने के बाद से चुनाव पश्चात हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या 150 से अधिक हो गयी है।

गाजा में भीषण ठंड से 3 हफ्ते की मासूम की मौत, टेंट कैंपों में जीने को मजबूर हो रहे लोग

इंटरनेशनल डेस्क। गाजा में युद्ध के कारण उत्पन्न भयंकर हालात ने एक और मासूम की जान ले ली। ठंड के कारण एक तीन हफ्ते की मासूम बच्ची की मौत हो गई। यह बच्ची उन हजारों लोगों में से एक थी जो इजरायली हमलों के चलते अपने घरों को छोड़कर गाजा के अस्थायी टेंट कैंपों में जीने को मजबूर हो रहे हैं।

भीषण ठंड में बच्ची की मौत

गाजा के कैंपों में रह रहे महमूद अल-फसीह ने अपनी तीन हफ्ते की बेटी सिला को ठंड से बचाने के लिए एक कंबल में लपेटा लेकिन यह काफी नहीं था। टेंट पूरी तरह सील नहीं था और जमीन ठंडी होने के कारण रात में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। महमूद ने बताया कि उनके पास आग जलाने की सामग्री और गर्म कपड़े नहीं थे जिससे उनकी बेटी ठंड बर्दाश्त नहीं कर पाई।

गाजा की 2.3 मिलियन की आबादी में से लगभग 90% लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं। हजारों लोग तट के पास बने टेंट कैंपों में रह रहे हैं। सर्दी के कारण इन कैंपों में रहना मुश्किल हो गया है।

सहायता समूहों के लिए इन कैंपों में राहत सामग्री जैसे खाना, कंबल और गर्म कपड़े पहुंचाना चुनौती बन गया है। लोगों को आग जलाने के लिए लकड़ी भी नहीं मिल रही है।

इजरायल-हमास युद्ध का असर

इजरायली बमबारी और जमीनी हमलों में अब तक 45,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह आंकड़ा सभी नागरिकों और लड़ाकों को मिलाकर है।

युद्धविराम की उम्मीदें धुंधली

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है। दोनों पक्षों ने हाल के हफ्तों में समझौते की उम्मीद जताई थी जिसमें गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों को रिहा करने की योजना थी।

हालांकि अब दोनों के बीच मतभेद उभरने लगे हैं। इजरायल ने हमास पर पहले से बनी सहमति से मुकरने का आरोप लगाया है जबकि हमास ने बातचीत में देरी का आरोप लगाया है।

जरूरी सामानों की बढ़ाई गई आपूर्ति

इजरायल ने गाजा में मदद पहुंचाने के लिए ट्रकों की संख्या बढ़ा दी है। इस महीने हर दिन औसतन 130 ट्रकों के जरिए राहत सामग्री भेजी जा रही है। फिर भी भीषण ठंड और युद्ध की वजह से प्रभावित लोगों की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं।

वहीं गाजा की घटनाएं मासूमों और निर्दोष लोगों के लिए संघर्ष और संकट को उजागर करती हैं। युद्ध के हालात में जीने को मजबूर इन लोगों के लिए राहत और समाधान बेहद जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569